नई दिल्ली
रविवार 15 नवंबर 2026
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष,
षष्ठी वर्ष : 30, अंक : 208
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 27
न्यून. 14

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



11 न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा



प्रदेश से विदेश पहुंचने वाले उत्पादों का हुआ प्रदर्शन, खरीदार सीधे उत्पादक से कर सकते हैं संपर्क

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला: पहली बार हरियाणा पवेलियन में बनाया गया एक्सपोर्ट कॉर्नर, औद्योगिक ताकत और हुनर की दिखी झलक

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा पवेलियन में विशेष एक्सपोर्ट कॉर्नर बनाया गया है। यह कॉर्नर केवल प्रदर्शनी का एक हिस्सा नहीं, बल्कि हरियाणा के उद्यमियों के हुनर और दुनिया के बाजारों के बीच एक सीधा पुल है। यहां प्रदेश से विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों को सजाकर प्रदर्शित किया गया है, ताकि मेले में आने वाले हर आगंतुक को यह अहसास हो कि हरियाणा में



बना सामान आज सात समंदर पार तक अपनी पहचान बना रहा है। उत्पादक और खरीदार के बीच सीधा संवादइस संबंध में जानकारी देते हुए हरियाणा के एमएसएमई के उपनिदेशक रमनदीप ने बताया कि एक्सपोर्ट कॉर्नर में प्रदेश से विदेशों में एक्सपोर्ट होने वाले उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि हर उत्पाद के साथ केवल उसकी जानकारी ही नहीं, बल्कि संबंधित उत्पादकों का विवरण भी उपलब्ध कराया गया है। इसका ▸▸ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी के साथ सेल्फी



नई दिल्ली। शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2026 के दौरान एक आगंतुक विकास और विरासत डिजिटल सेल्फी बूथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कटआउट के साथ फोटो खिंचवाता हुआ।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

36 घंटे बाद माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं फिर से शुरू

वॉशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं 36 घंटे से अधिक समय तक बाधित रहने के बाद बहाल हो गई हैं। इस तकनीकी गड़बड़ी से 74 देशों में आउटलुक, टीम्स और कोपायलट प्रभावित हुए। कंपनी ने बताया यह नेटवर्क अपग्रेड के दौरान हुई एक तकनीकी समस्या थी।



दिल्ली से छतरपुर जा रही बस में लगी आग

छतरपुर। मथुरा जनपद अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार रात करीब डेढ़ बजे एक भयावह हादसा टल गया। दिल्ली के कश्मीरी गेट से मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही खजुराहो ट्रैवल्स की डबल डेकर एसी स्लीपर बस (एमपी 14 जेडएच 5063) में अचानक भीषण आग लग गई। चालक ने सभी 40 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।



ये जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है

भारत-अमेरिका के बीच जल्द होगा द्विपक्षीय व्यापार समझौता, वार्ता जारी: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन से लेकर पश्चिम-एशिया में जारी भीषण युद्ध और अमेरिका-चीन में बढ़ती तनातनी वो बड़े कारण हैं। जिनकी वजह से भविष्य की दुनिया में स्थापित होने वाली व्यवस्था में स्थिरता के बजाय अस्थिरता का पलड़ा कहीं अधिक भारी होगा। हमारे समक्ष एक विशाल चुनौती बनकर खड़ा ईंधन और खाद्य संकट भी और अधिक गहरा सकता है। इन जटिल परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी ताकत को कई गुना बढ़ाने की आवश्यकता है। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में एक निजी मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है।

स्थिरता की तो दूर-दूर तक उम्मीद नहीं, वैश्विक संघर्षों से बढ़ेगी दुनिया में अस्थिरता।



राष्ट्रीय हित सर्वोपरि का सिद्धांत मान्य

उन्होंने ये भी कहा कि वर्तमान समय में दुनिया में बेहद तीव्र गति से बदलाव दिखाई दे रहे हैं। जिसमें पूर्व में बनी हुई किसी देश-विशेष की एकाधिकार या एकध्रुवीय व्यवस्था से इतर अब बहुध्रुवीयता स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। जिसमें अलग-अलग देश स्वतंत्र रूप से अधिक स्वायत्तता के साथ अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने लगे हैं। जिनका नतीजा यह है कि विश्व में ऐसे कई केंद्र एक साथ उभर रहे हैं। जो वर्तमान से लेकर भविष्य में भी इसी दृष्टिकोण के साथ आजादी के साथ अपने फैसले लेते हुए नजर आएंगे।

भारत की विदेश नीति के लिए ये उचित रहेगा

विदेश मंत्री के मुताबिक, उक्त माहौल में भारत के लिए यही सुझाव है कि उसे अपनी क्षमताओं को पहले के मुकाबले कहीं अधिक सशक्त बनाना पड़ेगा। क्योंकि जैसे ही किसी देश के पास एक मजबूत क्षमता मौजूद होती है। तो उसकी विदेश नीति अपने आप प्रभावी हो जाती है? वहीं, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की प्रमुख नीतियों के माध्यम से इस दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है। असल मायनों में देखें तो यही नीतियां हैं, जो इस वक्त हमारी विदेश नीति की बुनियादी नींव बनी हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने घरेलू स्तर पर औद्योगीकरण की रफ्तार को बढ़ाते हुए भारत को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने पर भी जोर दिया है। जयशंकर ने पूर्ववर्ती सरकारों का नाम लिए बगैर कहा कि आजादी के बाद से लेकर 1992 तक के दौर को एक प्रकार से हमने गंवा दिया है और किए गए सुधार भी पर्याप्त नहीं थे। मोदी सरकार के शासन के करीब दस वर्षों में इसे लेकर काफी काम किया गया है।

अमेरिका-चीन टकराव, बीटीए पर रखा पक्ष

जयशंकर ने अमेरिका और चीन के बीच जारी तनातनी को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह कहना उचित नहीं होगा कि विश्व में सामने आ रही समस्याओं का यही एकमात्र कारण है। इस संबंध में कई अन्य वजह भी हैं। लेकिन इस बात में भी पूरी सच्चाई है कि विश्व की दो बड़ी महाशक्तियों के बीच जब संबंधों में तनातनी होती है। तो उससे कई देश और खासतौर पर वो देश जो उनसे जुड़े हुए होते हैं, प्रभावित होते हैं। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच आगामी समय में जल्द ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के तथ्य की भी पुष्टि की है। इस बाबत कई दौर की बातचीत हो चुकी है। अन्य मामलों पर विचार-विमर्श चल रहा है।

संबंधों की मजबूती पर लगेगा प्रश्नचिन्ह

विदेश मंत्री ने बताया कि आगामी दुनिया में परिवर्तनों के चलते विभिन्न देशों के बीच संबंध तथा गठबंधन भी एक नए रूप में परिभाषित किए जाएंगे। जिनमें कोई बहुत अधिक मजबूती दिखाई नहीं देगी। बल्कि वह स्पष्ट रूप से आपसी लेन-देन पर आधारित होंगे। सभी अपने-अपने देश के हितों के मद्देनजर ही आगे बढ़ते हुए नजर आएंगे।



महिला राइडर्स के साथ बाइक पर पीछे बैठे राहुल गांधी

राहुल ने तेलंगाना में सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना का किया शुभारंभ

गिग वर्कर्स को अब काम और कमाई का पूरा हिसाब मिलेगा

बोले भाजपा मजदूरों को बंधुआ बनाना चाहती है

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण योजना की शुरुआत की। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भाजपा मजदूरों को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है, जबकि कांग्रेस उनके अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम कर रही है। राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ उनकी बैठक हुई थी। इस ▸▸ शेष पेज 5 पर



उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पुरानी संसद के समक्ष बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि दी

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के उपायों की समीक्षा की

एनसीआर राज्यों को योजना से आगे बढ़ने और समन्वित जमीनी स्तर पर प्रवर्तन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है: भूपेंद्र यादव



हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान द्वारा किए गए उपायों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा मीटिंग की। मंत्री ने पिछले एक साल में एनसीआर राज्य सरकारों, नगर निकायों के साथ 30 से ज़्यादा समीक्षा मीटिंग की हैं ताकि वायु प्रदूषण की तैयारी को मज़बूत किया जा सके। यादव के मार्गदर्शन में तैयार किए गए विस्तृत कार्य योजनाएं में पहले से पहचाने गए नियंत्रक उपायों को असरदार तरीके से लागू किया जा सके।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली); राव नरबीर सिंह (हरियाणा); और, अरुण कुमार सक्सेना (उत्तर प्रदेश) वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। नरेंद्र भूषण, सचिव (एमओईएफसीसी) और डॉ. अमनदीप गर्ग, एएस (एमओईएफसीसी) और अध्यक्ष (सीपीसीबी) अंताल्या, तुर्की से वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। सीएक्यूएम के सदस्य सचिव तरुण पिथोड़े ने एनसीआर राज्यों द्वारा की गई प्रगति को प्रस्तुत किया, जबकि सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने विभिन्न राज्यों की कार्य योजनाओं के जमीनी कार्यान्वयन और विभिन्न मोर्चों पर किए जाने वाले उपायों के बारे में बताया।

सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने के साथ, केंद्रीय मंत्री ने सभी एजेंसियों को प्लानिंग से आगे बढ़कर ज़मीन पर सख्ती से, समय पर और मिलकर लागू ▸▸ शेष पेज 5 पर

20 से 22 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में होगा आयोजन

एससीओ सभ्यता संवाद मंच में पाकिस्तान की होगी भागीदारी, भारत आएंगे पर्यावरण मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में 20 से 22 नवंबर तक आयोजित किए जाने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 'सभ्यता संवाद मंच-2026' में पाकिस्तान की भागीदारी भी देखने को मिलेगी। पड़ोसी देश के संघीय जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद



मलिक नई दिल्ली आएंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि पाकिस्तान के जलवायु ▸▸ शेष पेज 5 पर

2023 के बाद हो रही पहली यात्रा

गौरतलब है कि पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ लगातार जारी सीमापार आतंकवाद की वजह से दोनों देशों के संबंध अभी तक पूरी तरह से सामान्य नहीं हुए हैं। ऐसे में अगर पाकिस्तानी मंत्री डॉ. मलिक नई दिल्ली की यात्रा करते हैं। तो यह वर्ष 2023 यानी करीब तीन साल बाद पाकिस्तान की तरफ ▸▸ शेष पेज 5 पर

परिसीमन विधेयक के साथ संसद में पेश हो सकता है संवैधानिक संशोधन विधेयक

2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करने की तैयारी

महिला आरक्षण कानून लागू कराने की तैयारी तेज विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही केंद्र सरकार

शिशिर सोनी ▸▸ नई दिल्ली

महिला आरक्षण कानून को लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार ने अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार शुरू कर दिया है। सरकार संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले विशेष सत्र बुलाने की संभावना भी तलाश रही है, ताकि महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन के लिए जरूरी ▸▸ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि विशेष



तीन विधेयकों को एक साथ लाने की तैयारी

महिला आरक्षण कानून को जमीन पर उतारने के लिए प्रस्तावित विधायी पैकेज का केंद्रीय हिस्सा एक संवैधानिक संशोधन विधेयक होगा। इसके साथ परिसीमन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक को भी जोड़ा जाएगा। ▸▸ शेष पेज 5 पर

दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत जुटाना सबसे बड़ी चुनौती

इस पूरे विधायी पैकेज को पारित कराने में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती संवैधानिक संशोधन विधेयक के लिए आवश्यक बहुमत जुटाने की है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए प्रत्येक सदन में सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का कम से कम दो-तिहाई ▸▸ शेष पेज 5 पर

दक्षिण भारतीय दलों की आशंकाएं दूर करना जरूरी

परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर कुछ राजनीतिक दलों, विशेषकर दक्षिण भारत के दलों की चिंताएं सरकार के सामने बड़ी चुनौती हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके जैसे दलों की प्रमुख मांग है कि परिसीमन के बाद उनके राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सरकार इन दलों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर सकती है कि परिसीमन की प्रक्रिया के बाद राज्यों के प्रतिनिधित्व में उनकी हिस्सेदारी ▸▸ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

चलती कार जलकर हुई खाक

नई दिल्ली। शंकर विहार फ्लाईओवर पर एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई और कुछ ही पल में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। राहत की बात यह रही कि कार में सवार लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। मिली जानकारी के अनुसार कार सौरभ जैन चला रहा था। उसने बताया कि गाड़ी उनके एक दोस्त की थी, जिसे वे बालाजी, सालासर और खाटू श्याम जी की तीर्थयात्रा पर जाने के लिए मांगकर लाए थे। तीर्थयात्रा से वापस लौटते समय उन्हें कुछ दूरी पर गाड़ी से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोका और सभी लोग फौरन कार से बाहर निकल गए। कार से बाहर निकलने के कुछ ही पल बाद गाड़ी ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी तरह जल गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

फुटवियर फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में शनिवार को एक फुटवियर फैक्टरी में आग लग गई। आग को बुझाने के लिए दमकल की 16 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के अनुसार दोपहर एक बजकर 10 मिनट पर फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। दमकल वाहन शाम तक आग बुझाने के कार्य में जुटे थे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक ने किया हंसराज कॉलेज का दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में कनाडा स्थित सेंटर फॉर एडिक्शन एंड मेंटल हेल्थ (सीएएमएच) के न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. नील वासदेव ने कॉलेज के प्रो. बृजेश राठी की प्रयोगशाला का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज के प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और रेडियोफार्मास्यूटिकल अनुसंधान के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम वैज्ञानिक विकास तथा क्लिनिकल न्यूरोसाइंस में इसकी बढ़ती भूमिका पर अपने विचार साझा किए। प्रो. नील वासदेव और प्रो. बृजेश राठी ने इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधानों, वैज्ञानिक संभावनाओं तथा सीएएमएच और हंसराज कॉलेज के बीच संस्थागत एवं शोध सहयोग को और सुदृढ़ करने के अवसरों पर शुक्रवार को विचार-विमर्श किया। प्रो. बृजेश राठी ने इस अवसर को अपनी शोध टीम के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों के साथ इस प्रकार का संवाद युवा शोधकर्ताओं को नई दृष्टि प्रदान करता है और भविष्य में शोध सहयोग के नए अवसरों के द्वार खोलता है।

कुछ समय पहले महिला के पति ने भी जहर खाकर दी थी जान

कार के अंदर महिला और पुरुष ने जहर खाया, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



पश्चिमी दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके में एक कार के अंदर बेहोशी की हालत में मिले महिला और पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो गई है। कार से सल्फास के दो पैकेट बरामद हुये थे। इससे आशंका है कि दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। बताया जाता है कि महिला के पति की भी कुछ समय पहले जहर खाने से शाहबाद डेयरी इलाके में जान गई थी।

पुलिस के अनुसार इस घटना की सूचना 11 नवंबर को मिली थी। लाल फार्म इलाके में मोहन गार्डन के रहने वाले होमगार्ड सुरेंद्र (46) और गीता (45) कार के अंदर बेहोशी की हालत में मिले थे। दोनों को तारक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पहले गीता और बाद में सुरेंद्र की मौत हुई। पुलिस को कार की तलाशी के दौरान सेल्फास के 10-10 ग्राम के दो पैकेट मिले। इस घटना में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी सामने आया है कि गीता के पति की भी 17 अक्टूबर को शाहबाद डेयरी इलाके में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई थी। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि सुरेंद्र पिछले करीब 15 वर्षों से दिल्ली होमगार्ड में अस्थायी रूप से कार्यरत थे। वर्तमान में उनकी तैनाती जहांगीरपुरी में थी। वह सुल्तानपुरी में परिवार के साथ रहता था। परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। वहीं, गीता के भी दो बेटे बताये गये हैं।

व्यापार मेले में दिल्ली को 'फोकस स्टेट' के रूप में मिला विशेष स्थानः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



- मुख्यमंत्री ने 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में किया 'दिल्ली मंडप' का भव्य उद्घाटन

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित हो रहे 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ-2026) में दिल्ली को 'फोकस स्टेट' के रूप में विशेष स्थान मिला है, जो राजधानी की बढ़ती आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक पहचान को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित आईआईटीएफ-2026 में दिल्ली मंडप के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि दिल्ली मंडप के माध्यम से राजधानी की गौरवशाली विरासत और आधुनिक विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। यह मंच दिल्ली के उद्यमियों, महिला कारोबारियों, शिल्पकारों और स्थानीय उत्पादकों को अपनी प्रतिभा व उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करेगा। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि राजधानी की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए विकास, नवाचार, उद्यमिता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने लाया जाए। बता दें कि मंडप के उद्घाटन अवसर पर बच्चों द्वारा शास्त्रीय कथक नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न स्टॉल का भ्रमण किया और प्रतिभागियों से संवाद कर उनके उत्पादों, कार्यों एवं उद्यमों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, विविध संस्कृति, उद्यमशीलता और आधुनिक विकास का भी प्रतीक है। दिल्ली मंडप के माध्यम से राजधानी की इसी बहुआयामी पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है।

दिल्ली मंडप का कुल क्षेत्रफल 996 वर्ग मीटर है, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के कुल 62 स्टॉल लगाए गए हैं। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें विशेष प्राथमिकता देते हुए दस स्टॉल आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 14 स्टॉल सरकारी विभागों एवं संस्थानों, 25 निजी प्रदर्शकों, छह प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (पीएमएफएमई) के प्रतिभागियों और सात स्टॉल एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और ओडीओपी निर्यातकों को दिए गए हैं। इन स्टॉल के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने उत्पादों, सेवाओं और उद्यमशील क्षमताओं को व्यापक बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SrDEE-TRD-BSB-2026-27-T42, दिनांक: 13-11-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्रम सं.-01, कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के अंतर्गत वाराणसी– प्रयागराज रामबाग सेक्शन पर 130 किमी/घंटा की रफ्तार से ट्रेन परिचालन के लिए खंड में पैदल यात्रियों के लिए लिमिटेड हाईट सबवे को 'एयर पुशिंग तकनीक' से निर्माण का कार्य कराये जाने के संबंध में 25 के.वी. विद्युतीकरण कार्य। टेंडर रिफरेंस नं.: SrDEE-TRD-BSB-2026-27-T42, कार्य का अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 85,91,600.90, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 1,71,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में): शून्य, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 04-12-2026 up to 14:45 Hrs, कार्य पूरा करने की अवधि: 09 माह।

• खुली ई-निविदा दिनांक 04-12-2026 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-262 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्र न करें

नंद नगरी के पार्क में युवक की हत्या का खुलासा, दो नाबालिग दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



उत्तर पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में स्थित एक पार्क में हुई 35 वर्षीय युवक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। मामले में दो नाबालिग आरोपियों को पकड़ा गया है। दोनों किशोरों की उम्र 16 और 17 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार यह वारदात नंद नगरी स्थित एफ-1 एमसीडी पार्क गगन सिनेमा के पास हुई थी। मृतक की पहचान मूलरूप से नेपाल निवासी 35 वर्षीय सोनू उर्फ कांचा उर्फ छोटू के रूप में हुई थी। वह आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल भिजवाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय मुखबिरों को सक्रिय किया। तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों नाबालिग आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक सोनू ने दिवाली के आसपास नशा करने के लिए दोनों किशोरों से कथित तौर पर पैसे छीन लिए थे। इसी बात से नाराज होकर दोनों ने रंजिश पाल ली और मौका पाकर पार्क में चाकुओं से हमला कर सोनू की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए दो चाकू और घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। दोनों किशोरों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नेहरु की लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच ने भारत को अलग पहचान दी : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली



पं. नेहरु की लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच ने भारत को अलग पहचान दी और संविधान का गठन होने के बाद हर नागरिक को वोट देने का अधिकार देकर करोड़ों देशवासियों को सरकार चुनने का अधिकार दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश वर्तमान में भाजपा वोट चोरी करके केंद्र और राज्यों बार-बार सत्तासीन हो रही है और वोट चोरी करने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बचाने की हर संभव कोशिश कर रही है। यह बात दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव शनिवार को पंडित जवाहर नेहरू की जयंती के अवसर पर पर कही। यादव ने प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु की 126वीं जन्म जयंती पर प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इससे पहले यादव ने प्रातः शांति वन जाकर भी पं. जवाहरलाल नेहरु की समाधि पर फूल चढ़ाए। यादव ने कहा कि पं. नेहरु के बच्चों के प्रति लगाव के कारण 14 नवम्बर को बाल दिवस के रुप में भी मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी करके भारत आए पंडित नेहरु की 1916 में महात्मा गांधी जी से मुलाकात के बाद वे स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गए और 9 बार जेल भी गए। यादव ने कहा कि पं. नेहरु ने आजादी के बाद जिस तरह देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करके दूरदर्शिता के साथ हर वर्ग के विकास, कल्याण और समानता बनाने का काम किया था। युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए जो रास्ते बनाए उनके बाद ही भारत दुनिया में सुदृढ़ बना, जिसका उदाहरण आज दुनिया में देश के युवा अपनी शिक्षा शक्ति के बलबूते वहां अपना लोहा मनवा रहे हैं।

मधुमेह से निपटने के लिए जागरुकता जरूरीः एनडीएमसी

नई दिल्ली। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नागरिकों से मधुमेह (डायबिटीज) के प्रति अधिक जागरूकता फैलाने, समय पर जांच कराने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की है। एनडीएमसी द्वारा जारी संदेश में कहा गया है कि मधुमेह से निपटने के लिए जागरूकता ही सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है। बीमारी के शुरुआती लक्षणों को पहचानना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और नियमित रूप से मेडिकल जांच कराना न केवल गंभीर जटिलताओं को रोक सकता है, बल्कि मधुमेह से पीड़ित लोगों के जीवन स्तर में भी बड़ा सुधार ला सकता है। परिषद ने नागरिकों को स्वस्थ रहने और मधुमेह को मात देने के लिए तीन सुनहरे नियम अपनाने का सुझाव दिया है। इसमें पहला नियम अपने शरीर के वजन को एक स्वस्थ सीमा के भीतर नियंत्रित रखकर आदर्श वजन बनाए रखना है। दूसरा नियम दैनिक आहार में चीनी, मिठाइयों और मीठे पेय पदार्थों की मात्रा को कम करना है। वहीं, तीसरे नियम के तहत प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट टहलने, योग करने या किसी भी प्रकार का शारीरिक व्यायाम करने की सलाह दी गई है।

यमुना में मछलियां मरने को लेकर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। यमुना नदी में मरी हुई मछलियां मिलने पर वजीराबाद थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उत्तर जिला पुलिस को मरी हुई मछलियां मिलने की शिकायत दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से की गई थी। इस शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 353, 352 और 240 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस अब तथ्यों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

युवाओं में शिक्षा के साथ आर्थिक समझ भी जरूरीः प्रो. ज्ञानतोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- डीयू में 'मेरा पहला वेतन चेक' पर संगोष्ठी का आयोजन

जीवन में वास्तविक सफलता और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक समझ का होना भी उतना ही आवश्यक है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के आत्मा राम सनातन धर्म (एआरएसडी) कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ज्ञानतोष कुमार झा ने 'वित्तीय साक्षरता : मेरा पहला वेतन चेक' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यह प्रेरणादायक स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने यहां इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज के युवाओं के लिए वित्तीय साक्षरता एक अनिवार्य जीवन कौशल है। कॉलेज प्राचार्य प्रो. झा ने विद्यार्थियों से आग्रह

किया कि वे पेशेवर दुनिया में कदम रखने से पहले आर्थिक रूप से स्वतंत्र और जागरूक निर्णय लेने वाले बनें। कॉलेज में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, कैप्टन प्रोफेसर संदीप ने बताया कि कॉलेज की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई (7 डीबीएन और 6 डीबीएन) ने कॉमटॉक्स (वाणिज्य संगोष्ठी समिति) तथा एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सहयोग से कॉलेज के सेमिनार हॉल 1 में उक्त अत्यंत प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक अंतर-विषयक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गजेंद्र राम उर्फ दीपक उर्फ बिहारी पुत्र** शिव बालक राम **निवासी:** म0 नं. 447, ज्वालापुरी कैंप नं0–5, मियांवाली नगर, दिल्ली, **यहां भी: (1)** श्रीराम प्लाईबोर्ड जलादरी यमुना नगर, हरियाणा, **(2)** देवापुर कोठारिया पूर्व, चंपारण बिहार–845413, ने **FIR No. 53/2018, U/S 392/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन मोती नगर, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 53/2018, U/S 392/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन मोती नगर, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **गजेंद्र राम उर्फ दीपक उर्फ बिहारी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.12.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री अंशुल सिंघल

DP/16376/WD/2026 (Court Matter)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04 (पश्चिम), कोर्ट नं0–268, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम: **राजीव कुमार शर्मा, मेसर्स प्रतिष्ठा बाजार प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता** कार्यालय का पता: **514–515, लक्ष्मीदीप बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल, एचडीएफसी बैंक के ऊपर, लक्ष्मी नगर जिला केंद्र, निर्मल विहार मेट्रो स्टेशन** और **वीउएस मॉल के पास, दिल्ली, निवासी: ई–3665, जेजे कॉलोनी बावना, दिल्ली,** अन्य पते: **डी–142, टीडीआई सिटी, राम गंगा विहार, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश,** अन्य पते: **पोस्ट कटघास पीतल बस्ती, नंद कॉलोनी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **CT Case No.1926/2019 U/S 138 NI ACT** के तहत एक मामला **थाना मजनपुरा, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **राजीव कुमार शर्मा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **राजीव कुमार शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **CT Case No.1926/2019 U/S 138 NI ACT,** थाना **गजनपुरा, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **राजीव कुमार शर्मा** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **14.12.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री किरनदीप कौर,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–01,
कमरा संख्या 05, द्वितीय मंजिल, उत्तर पूर्व, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16487/NE/2026 (अदालती मामला)

आस्था कुंज पार्क में सामूहिक दुष्कर्म मामले में 450 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने आस्था कुंज पार्क में सितंबर माह में 17 वर्षीय लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोपी तीन लोगों के खिलाफ 450 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर चाकू की नोंक पर वारदात को अंजाम दिया था। शुक्रवार को अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया गया है। आरोपपत्र में मोहम्मद आसिफ, हेमंत सिंह और मुकेश सिंह को आरोपी बनाया गया है। इसमें 57 गवाहों के बयान शामिल किये गये हैं। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे की फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, फोरेंसिक साक्ष्य और पीड़िता का बयान भी शामिल किया गया है।

आरोपपत्र के अनुसार यह घटना 21 सितंबर की शाम को तब हुई जब लड़की अपना जन्मदिन मनाने के लिए अपने 17 वर्षीय पुरुष मित्र के साथ पार्क में गई थी। आरोपियों ने कथित तौर पर शाम करीब सात बजे दोनों के पास आकर खुद को पुलिसकर्मी बताया और पार्क में उनकी मौजूदगी को लेकर सवाल किए। इसके बाद उन्होंने लड़के के साथ मारपीट की और दोनों किशोरों के मोबाइल फोन छीन लिए। जब लड़की ने अपनी मां से संपर्क करने की बात की तो आरोपियों ने कथित तौर पर उसे पिस्तौल दिखाकर धमकाया और फिर लड़के को पार्क के एक सुनसान हिस्से में ले गए। आरोपपत्र में उद्धृत अपने बयान में लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और बारी-बारी से उससे दुष्कर्म किया। लड़की ने बाद में जांच के दौरान आरोपियों की पहचान की और उनके उपनाम भी बताए, जो उसने घटना के दौरान सुने थे। पुलिस ने पार्क और आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया है, जिसमें कथित तौर पर आरोपियों को अपराध के दिन सहित कई मौकों पर परिसर के आसपास घूमते हुए देखा गया था। आरोपपत्र में सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) का भी उल्लेख है, जो घटना के समय के आसपास पार्क में आरोपियों की मौजूदगी को दर्शाता है। अपराध के दौरान आसिफ ने अन्य दो लोगों को भी फोन किया था। पुलिस ने अपराध स्थल से आरोपियों द्वारा पहने गए कपड़े, हथियार, भागने के लिए इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और अन्य भौतिक सबूत भी जब्त किए हैं। आरोपपत्र में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के निष्कर्षों को भी शामिल किया गया है, जिसमें जैविक नमूनों का विश्लेषण और मोबाइल फोन से हासिल किया गया डिलीट डेटा शामिल है। आसिफ को 22 सितंबर को अमर कॉलोनी स्थित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के पास हुई एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। अन्य दो आरोपियों को दक्षिण दिल्ली के श्रीनिवासपुरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। ये दोनों भाई हैं।

SINDHU TRADE LINKS LTD.

129, Transport Centre, Rohtak Road, Punjabi Bagh, New Delhi-110035
Unaudited Financial Results (Standalone & Consolidated) for the Quarter & Half Year ended 30th September, 2026
CIN: L63020DL1992PLC121695 | Website: www.sindhutrade.com | Email id: corporatecompliance@sindhutrade.com | Phone: 0124-6913000

Extracts of Standalone & Consolidated Unaudited Financial Results for the Quarter & Half Year Ended on 30th September, 2026 (In Lacs)

Particulars	Standalone						Consolidated					
	Quarter Ended			Half Year Ended		Year Ended	Quarter Ended			Half Year Ended		Year Ended
	30.09.2026 (Unaudited)	30.06.2026 (Unaudited)	30.09.2025 (Unaudited)	30.09.2026 (Unaudited)	30.09.2025 (Unaudited)	31.03.2026 (Audited)	30.09.2026 (Unaudited)	30.06.2026 (Unaudited)	30.09.2025 (Unaudited)	30.09.2026 (Unaudited)	30.09.2025 (Unaudited)	31.03.2026 (Audited)
Total Income from operations	9,289.13	11,463.50	11,423.57	20,752.63	23,696.81	44,386.53	14,697.18	13,398.68	14,939.57	28,095.86	32,382.64	57,964.51
Net Profit/ (Loss) for the period (before tax, exceptional and/ or extraordinary items)	391.32	854.48	775.06	1,245.80	1,589.51	3,318.56	(430.32)	671.47	745.18	241.15	1,681.27	1,156.51
Net Profit/ (Loss) for the period before tax (after exceptional and/ or extraordinary items)	391.32	854.48	775.06	1,245.80	1,589.51	3,318.56	(113.75)	4,398.48	1,232.71	4,284.73	3,506.04	6,635.32
Net profit/ (Loss) for the period after tax (before comprehensive Income)	365.17	625.99	636.44	991.16	1,064.05	2,457.41	(103.12)	3,873.97	1,081.66	3,770.85	2,961.00	5,744.44
Total Comprehensive Income for the Period {comprising Profit / Loss for the Period (after Tax)} and Other Comprehensive Income (after Tax)	365.17	625.99	636.41	991.16	1,064.04	2,750.59	2076.19	(2,198.90)	1,634.96	(122.71)	3,508.64	11,295.77
Equity Share Capital	18,423.84	15,419.29	15,419.29	18,423.84	15,419.29	15,419.29	18,423.84	15,419.29	15,419.29	18,423.84	15,419.29	15,419.29
Reserves (excluding Revaluation reserves) as shown in the Audited Balance Sheet of the Previous Year)	1,69,421.93	79,810.72	77,498.18	1,69,421.93	77,498.18	79,184.73	2,95,926.66	1,83,276.85	1,48,088.06	2,95,926.66	1,48,088.06	1,59,872.03
Earning Per Shares (for continuing and discontinued operation) of 1/-each)												
Basic:	0.02	0.04	0.04	0.06	0.07	0.16	0.01	0.17	0.05	0.17	0.13	0.27
Diluted:	0.02	0.04	0.04	0.05	0.07	0.16	0.00	0.17	0.05	0.14	0.13	0.27

Notes:-

1. The above is an extract of the detailed format of quarterly & half yearly financial results filed with the stock exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly financial results is available on the websites of the Stock Exchange and company's website www.sindhutrade.com. The above results after being reviewed by the Audit Committee were taken on record by the Board at its Meeting held on 14th November, 2026.
2. The above Unaudited financial results of the Company for the Quarter & Half Year ended on 30th September, 2026 have been reviewed by Audit Committee of the Board and approved by the Board of Director at its meeting held on 14th November, 2026.
3. The figures are regrouped in previous year also, wherever considered necessary.
4. Limited Review Report has been carried out by the Statutory Auditors for the above period.

For & on behalf of Board of Directors
Sindhu Trade Links Limited
Sd/-
Rudra Sen Sindhu
(Chairman & Director)
DIN: 00006999

Place: Gurugram
Dated: 14.11.2026

'सोनिया विहार में अस्ताचलगामी सूर्य को देंगी अर्घ्य'

छठव्रतियों के बीच आज पहुंचेंगी रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज, रविवार और कल सोमवार को राजधानी के दो प्रमुख छठ घाटों पर पहुंचकर व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच रहेंगी तथा सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना करेंगी। दिल्ली सरकार से मिली इस जानकारी के अनुसार, दिल्ली पूरी तरह छठमय हो चुकी है। यमुना के तटों से लेकर विभिन्न इलाकों में बने छठ घाटों तक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दे रहा है।

पूर्वांचल की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा से जुड़े इस महापर्व को लेकर दिल्ली सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं छठ पर्व की व्यवस्थाओं पर नजर रख रही हैं। सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री आज रविवार को सोनिया विहार स्थित छठ घाट पहुंचेंगी। यहां वह छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं से



मुलाकात करेंगी तथा उनके साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी। इस दौरान वह भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर देश और दिल्ली की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना भी करेंगी। कल, 16 नवंबर, सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री आईटीओ स्थित हाथी घाट पहुंचेंगी। यहां वह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना करेंगी। दोनों अवसरों पर मुख्यमंत्री का श्रद्धालुओं के बीच पहुंचना छठ महापर्व के प्रति उनकी आस्था और इस पर्व से जुड़े लाखों लोगों के साथ उनके आत्मीय जुड़ाव को भी दर्शाएगा।

'घाटों पर दिखेगी अनूठी आस्था'

दिल्ली सरकार ने राजधानी में 1400 से अधिक छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने और सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य की उपासना के लिए इन घाटों पर विशेष आयोजन किए गए हैं। इनमें यमुना नदी के किनारे बनाए गए प्रमुख घाटों के साथ उत्तरी दिल्ली की मुनक नहर पर विकसित 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट भी शामिल है। इस घाट को श्रद्धालुओं की सुविधा और छठ की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा व सहजता के साथ इस महापर्व को मना सकें।

'छठ महापर्व की शुभकामनाएं'

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों विशेषकर पूर्वांचलवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपरा, पारिवारिक मूल्यों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। इस महापर्व में व्रतियों की अटूट श्रद्धा, तपस्या, अनुशासन और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। अस्त होते और उगते सूर्य की आराधना हमें जीवन में धैर्य, आशा और निरंतर आगे बढ़ने का संदेश देती है। छठी मैया और भगवान सूर्य से मेरी प्रार्थना है कि सभी व्रतियों की मनोकामनाएं पूर्ण हों, प्रत्येक परिवार में सुख-शांति और समृद्धि आए तथा दिल्ली सहित पूरे देश में खुशहाली बनी रहे।

घाटों पर उपस्थित रहें अधिकारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता छठ पर्व की तैयारियों को लेकर लगातार जनप्रतिनिधियों, विभिन्न जिलों के अधिकारियों, दिल्ली नगर निगम और अन्य संबंधित निकायों के संपर्क में हैं। शनिवार को भी उन्होंने जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर घाटों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छठ घाटों पर आने वाले किसी भी व्रती या श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए हैं कि बड़े छठ घाटों पर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मौजूद रहें, ताकि किसी भी तरह की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल समाधान किया जा सके। सरकार की ओर से प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि दोनों दिन की पूजा और आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हों।

कई मार्गों पर यातायात रहेगा परिवर्तित

नई दिल्ली। महापर्व छठ पूजा के अवसर पर 15 और 16 नवंबर को यमुना घाटों और विभिन्न पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी के पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और शाहदरा जिलों के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू करने के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कई रास्तों पर वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस ने आम यात्रियों को शास्त्री पार्क से खजूरी चौक (दोनों तरफ पुस्ता रोड), नानकसर टी-पॉइंट से सोनिया विहार टोल टैक्स तक और शांति वन से श्मशान घाट (निगमबोध घाट) जाने वाले मार्गों से बचने की सलाह दी है। इसके अलावा, मयूर विहार, गीता कॉलोनी, गांधी नगर, न्यू उस्मानपुर और सीमापुरी के आसपास स्थित छठ घाटों के नजदीक भी यातायात का दबाव रहेगा। यात्रियों को जाम से बचाने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है। उत्तरी दिल्ली, मध्य दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालक दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे और जीटी रोड का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही घाटों के पास केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले यातायात निर्देशों की जांच करें, सार्वजनिक परिवहन विशेष रूप से दिल्ली मेट्रो का अधिक उपयोग करें और इयूटी पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों का सहयोग करें।

उपराज्यपाल ने दुकानदारों से किया संवाद, सुनीं समस्याएं



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विकसित दिल्ली के संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने शनिवार को बाजारों और सार्वजनिक स्थलों का दौरा कर आम लोगों से सीधा संवाद शुरू किया है। इसी कड़ी में उन्होंने बसंत लोक मार्केट का दौरा कर दुकानदारों, व्यापारियों और खरीदारी करने पहुंचे लोगों से मुलाकात की। वहीं, शुक्रवार देर शाम वसंत विहार स्थित डीडीए के वसंत उद्यान पहुंचकर स्थानीय निवासियों से पार्क की समस्याओं और सुधार के सुझावों पर चर्चा की। सोशल मीडिया 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया गया कि बसंत लोक मार्केट के दौरे के दौरान उपराज्यपाल ने व्यापारियों और दुकानदारों से अतिक्रमण, यातायात जाम और अव्यवस्थित पार्किंग जैसी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। लोगों ने बाजार की व्यवस्थाओं और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी अपनी चिंताएं उनके सामने रखीं।

उपराज्यपाल ने कहा कि बाजारों को स्वच्छ, व्यवस्थित और जीवंत बनाने के लिए जमीनी स्तर पर व्यावहारिक समाधान तलाशने होंगे। व्यापारिक समुदाय के साथ लगातार संवाद भी बेहद जरूरी है, ताकि उनकी वास्तविक समस्याओं को समझकर प्रभावी कदम उठाए जा सकें। इससे पहले शुक्रवार देर शाम उपराज्यपाल वसंत विहार स्थित डीडीए के वसंत उद्यान पहुंचे। यहां उन्होंने पार्क के रखरखाव, साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर स्थानीय निवासियों से बातचीत की। लोगों ने पार्क की मौजूदा स्थिति के बारे में अपनी बात रखी और इसे बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए।

दिल्ली के छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बना रही दिल्ली सरकार: सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार दिल्ली के छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे उद्यमों के लिए प्रशिक्षण अभियान के तहत पांच महीने से भी कम समय में 450 कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। 25 जून से 13 नवंबर 2026 के बीच दिल्ली के 28 स्थानों पर आयोजित इन कार्यशालाओं में कुल 19,931 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम बवाना, नरेला, ओखला, मुंडका, नांगलोई, जहांगीरपुरी और संगम विहार सहित विभिन्न औद्योगिक एवं रिहायशी क्षेत्रों में आयोजित किए गए। इस पहल के माध्यम से दिल्ली के 600 उद्यमों को विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा गया है। उद्योग मंत्री ने विभाग के अधीन कार्यरत दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) के प्रमुख कार्यों की समीक्षा के दौरान इस कार्यक्रम की प्रगति का जायजा लिया। दिल्ली के उद्योग मंत्री सिरसा ने बताया कि 'हनीवाली' ब्रांड के तहत शुद्ध एवं प्राकृतिक शहद का कारोबार करने वाली प्रवीण गोला ने बताया कि पहले वह मुख्य रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से अपने उत्पाद बेचती थीं। प्रशिक्षण के दौरान मिले मार्गदर्शन से उन्होंने अतिरिक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने कारोबार का पंजीकरण कराया और एक बड़ा थोक ऑर्डर भी प्राप्त किया। इसी प्रकार, मिलेट आधारित कुकीज और सत्तू के लड्डू बनाने वाली तराशा कौर ने बताया कि वित्तीय प्रबंधन और ले खा-जोखा संबंधी प्रशिक्षण से उन्हें बड़े ऑर्डर का बेहतर तरीके से प्रबंधन करने में सहायता मिली है। उन्होंने अपने उत्पादों का प्रदर्शन दिल्ली सचिवालय में भी किया है। वहीं, घर से अचार, पापड़ और नमकीन का कारोबार संचालित करने वाली नवकम एंटरप्राइज की कामिनी पाठक ने बताया कि प्रशिक्षण से उन्हें अपना व्यवसाय ऑनलाइन ले जाने की प्रेरणा मिली। अब वह प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई जानकारियां अन्य महिला उद्यमियों के साथ भी साझा कर रही हैं।

बच्चों की सही शिक्षा और संस्कारों से ही गढ़ा जाएगा 'विकसित भारत' का सपना : एनडीएमसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार का बाल दिवस के अवसर पर देश भर में बच्चों की असीम ऊर्जा, प्रतिभा और उनके सपनों को सलाम करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी सही शिक्षा और संस्कारों से ही विकसित भारत का सपना गढ़ा जाएगा। एनडीएमसी ने इस मौके पर संदेश दिया कि बच्चे कल के राष्ट्र-निर्माता हैं, जिनके विचार, सपने और आकांक्षाएं हमारे देश के भविष्य को एक नई दिशा देंगे। बाल दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमें बच्चों की असीम क्षमता का उत्सव मनाने, उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें उचित अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही संस्कार देने का संकल्प लेना चाहिए। यही प्रयास उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के साथ-साथ एक मजबूत, उज्जवल और 'विकसित भारत' के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए तैयार करेगा। बच्चों को सही दिशा और प्रेरणा देकर ही देश को आत्मनिर्भर और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चों के विकास में ही देश का असली भविष्य निहित है।

सभी वार्ड में हर मंगलवार सुबह 9-12 बजे तक चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान : महापौर

नई दिल्ली। महापौर प्रवेश वाही ने कहा है कि अब दिल्ली के सभी 250 वार्ड में हर मंगलवार सुबह 9 से 12 बजे तक विशेष सघन स्वच्छता अभियान चलेगा। महापौर ने यमुना स्वच्छता अभियान की तर्ज पर सभी जनप्रतिनिधियों, निगम पार्षदों एवं निगम अधिकारियों से इसमें बढ़ चढ़कर सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि इस विशेष सघन स्वच्छता अभियान की शुरुआत 24 नवंबर से होगी। जिसमें प्रत्येक वार्ड में कम से कम 2 किलोमीटर क्षेत्र की विशेष सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर एवं कूड़ा मुक्त बनाने के संकल्प को और अधिक प्रभावी गति प्रदान हागी। इस अभियान का मूल उद्देश्य यमुना स्वच्छता अभियान की तर्ज पर दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना, कूड़ा संवेदनशील स्थलों (गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स) का पूर्ण उन्मूलन करना तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देना है।

एनडीएमसी में इस माह 1,321 शिकायतें दर्ज, 271 लंबित

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के विभिन्न विभागों में इस माह अब तक कुल 1 हजार 321 शिकायतें दर्ज हुईं। जबकि 271 शिकायतें अभी भी विभिन्न विभागों में लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार स्वास्थ्य और बिजली विभागों ने शिकायतों के त्वरित निपटारे में बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि सिविल इंजीनियरिंग और वाणिज्यिक विभागों में लंबित मामलों का दबाव अधिक बना हुआ है। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में सर्वाधिक 308 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 277 का समाधान कर दिया गया है और केवल 31 लंबित हैं। इसके विपरीत, सिविल इंजीनियरिंग के चारों डिवीजनों को मिलाकर कुल 520 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 150 शिकायतें अभी भी अटकी हुई हैं जो कुल लंबित मामलों का 55 प्रतिशत से अधिक हैं। अकेले सिविल इंजीनियरिंग-एक में 64 और सिविल इंजीनियरिंग-दो में 46 मामले लंबित हैं। बिजली और बागवानी विभागों ने तेज रफ्तार दिखाते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, जहां इलेक्ट्रिसिटी-दो में 141 में से 134 और इलेक्ट्रिसिटी-एक में 104 में से 92 शिकायतें निपटा दी गई हैं। इसी तरह, बागवानी विभाग ने भी 89 में से 76 शिकायतों का समाधान कर लिया है। इसके मुकाबले, धीमी निस्तारण दर वाले विभागों में ईबीआर विभाग में 13 में से 8, वाणिज्यिक विभाग में 35 में से 17 और प्रवर्तन विभाग (उत्तर) में 42 में से 15 शिकायतें लंबित हैं।

राजधानी की हवा में घुल रहा जहर

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा में लगातार जहर घुल रहा है। शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 367 दर्ज किया गया। जबकि भारत के दस सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले राज्यों की सूची में दिल्ली का आनंद विहार 461 एक्यूआई के साथ दूसरे नंबर पर रहा। इसके विपरीत अब कई दिनों बाद जहरीली दमघोंटू हवा में सुधार की उम्मीद बनती दिख रही है। अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित हुई तो रविवार को दिल्ली में बारिश होने से प्रदूषण में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 367 रहा, जो शुक्रवार की तुलना में करीब 6 अंक कम है। वहीं एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम ने भी अगले दो दिनों में हवा में मौजूद प्रदूषक कणों पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में गिरावट का अनुमान जताया है।



खबर संक्षेप

हिमांशु नागपाल बने गाजियाबाद नगर आयुक्त



विक्रमादित्य मलिक | हिमांशु नागपाल

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक का प्रदेश शासन ने सोमवार की देर रात तबादला कर दिया। हिमांशु नागपाल अब नगर निगम के नए नगर आयुक्त होंगे। विक्रमादित्य मलिक को मेरठ विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाकर भेजा गया है। विक्रमादित्य मलिक का कार्यकाल करीब 4 वर्ष रहा। इस दौरान नगर निगम ने काफी विकास कार्य कराए। महापौर सुनीता दयाल में उनके बीच कई बार 36 का आंकड़ा रहा लेकिन विक्रमादित्य मलिक यहां जमे रहे। उनके कार्यकाल में स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में गाजियाबाद का उत्तर प्रदेश में नंबर एक पर नंबर वन हासिल हुआ था। हाल ही में गाजियाबाद को दिल्ली में राष्ट्रपति मुर्मू ने सम्मानित भी किया था।

धोखाधड़ी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। सोशल मीडिया पर आकर्षक विज्ञापनों और रील के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने इंस्टाग्राम पर स्टेच्यू बनाने की रील दिखाकर महिला से 32680 रुपये की ठगी करने के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाले को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित निवासी जयपुर राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि विष्णु कॉलोनी बल्लभगढ़ निवासी एक महिला ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में शिकायत दी थी कि 15 अक्टूबर को वह इंस्टाग्राम पर रील देख रही थी। उसे स्टेच्यू बनाने से संबंधित एक रील दिखाई दी। लिंक पर क्लिक करने के बाद उसकी एक व्हाट्सएप नंबर के जरिए बातचीत शुरू हो गई। बातचीत के दौरान ठगों ने उसे स्टेच्यू बनवाने का झांसा दिया था।



गुरुग्राम में 73 स्थानों पर होगा आयोजन

छठ महापर्व के लिए पुलिस का सुरक्षा चक्र तैयार तीन हजार पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा की कमान

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

महिला पुलिस कर्मियों के साथ सादे कपड़ों में भी तैनात रहेंगे जवान, चप्पे-चप्पे पर रहेगी निगरानी

चारों जोन में सुरक्षा व्यवस्था तैयार

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर गुरुग्राम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने सुरक्षा चक्र तैयार कर पूरी ताकत झोंक दी है। 15 और 16 नवंबर को जिले के 73 स्थानों पर होने वाले आयोजनों के दौरान करीब तीन हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा की कमान संभालेंगे। घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सभी पूजा स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती रहेगी। वहीं, सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे।



पुलिस आयुक्त सिबाश कबिराज के निर्देश पर जिले के चारों जोन में सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। इसके तहत पूर्वी जोन में 11, पश्चिमी जोन में 32, दक्षिणी जोन में 14 और मानेसर जोन में 16 स्थानों पर छठ पूजा के आयोजन होंगे। सभी आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संभावित संख्या और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

शरारती तत्वों पर रहेगी पैनी नजर

छठ पूजा के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना रोकने के लिए पुलिस ने निगरानी व्यवस्था मजबूत की है। सादे कपड़ों में तैनात जवान घाटों और आसपास के इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों तथा असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। संबंधित थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करने और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी की समय-समय पर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इंटेलिजेंस और सुरक्षा शाखाओं को भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

जाम से निपटने के लिए अलग व्यवस्था

घाटों के आसपास श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। पुलिसकर्मी यातायात का संचालन सुचारू रखने के साथ भीड़ और जाम की स्थिति पर नजर रखेंगे। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस आयुक्त की अपील पुलिस कमिश्नर सिबाश कबिराज ने श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया सम्मानित

अशोक बुवानीवाला को मिला महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड-2026



हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

हरियाणा में वैश्य समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक, संगठित और सशक्त बनाने की दिशा में लंबे समय से सक्रिय अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला को प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित भव्य अग्र अलंकरण समारोह-2026 में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की ओर से आयोजित समारोह राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल की अध्यक्षता में हुआ।

समाज की राजनीतिक भागीदारी समय की जरूरतः रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हरियाणा की धरती ने वैश्य समाज को राजनीति में अनेक प्रभावशाली नेता दिए हैं। अशोक बुवानीवाला के सामाजिक, राजनीतिक और संगठनात्मक प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की मजबूती के लिए केवल आर्थिक और सामाजिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि राजनीतिक जागरूकता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बुवानीवाला के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को एकजुट और जागरूक बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पूर्वांचलवासी शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा कैबिनेट मंत्री गोयल बोले

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की पहल पर फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों पर कराए गए स्वच्छता एवं सुधार कार्य

छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए

बराही तालाब, खेड़ी पुल, सेक्टर-29 नया पुल, कालीबाड़ी मंदिर सेक्टर 8, सेक्टर पटेल नगर, संत नगर सहित विभिन्न छठ घाटों को बनाया गया स्वच्छ एवं व्यवस्थित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

छठ महापर्व के पावन अवसर पर फरीदाबाद के पूर्वांचल वासियों और छठ व्रतधारियों को कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने विशेष सौगात दी है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की पहल पर फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई एवं नवीनीकरण के कार्य कराए गए हैं। इन कार्यों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को स्वच्छ, बेहतर और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। पूर्वांचल समाज के लोग इस पर्व को अत्यंत श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाते हैं। पूर्वांचलवासी शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। भावनाओं का सम्मान करना और पर्व के अवसर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की पहल पर विधानसभा क्षेत्र के बराही तालाब, ओल्ड फरीदाबाद, नया पुल, सेक्टर-8 बाईपास स्थित कालीबाड़ी मंदिर छठ घाट, पटेल नगर झुग्गी, सेक्टर-4, संत नगर, कृष्णा कॉलोनी, मिल्हार्ड कॉलोनी तथा श्रद्धा मंदिर के पास कच्चा खेड़ी रोड सहित विभिन्न प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई एवं नवीनीकरण के कार्य कराए गए हैं।

छठ पर्व को आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला महापर्व है। इस पर्व में व्रतधारी कई दिनों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में घाटों का स्वच्छ और व्यवस्थित होना श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ-साथ उनकी आस्था के सम्मान से भी जुड़ा हुआ है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि उनका प्रयास है कि फरीदाबाद में रहने वाले प्रत्येक समाज और वर्ग को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के निर्वहन के लिए बेहतर सुविधाएं मिलें। छठ महापर्व पर पूर्वांचल समाज के लोगों को स्वच्छ एवं बेहतर घाट उपलब्ध कराना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। अंत में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सभी छठ व्रतधारियों और पूर्वांचल वासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने श्रद्धालुओं से घाटों की स्वच्छता बनाए रखने और पर्व को आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील भी की।

खुशखबरः 16 नवंबर से शुरू होंगी नमो भारत की फास्ट ट्रेनें

अब आनंद विहार से गाजियाबाद सिर्फ 8 मिनट और बेगमपुल 36 मिनट में पहुंच सकेंगे यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर यात्रियों की बढ़ती संख्या और खासकर सुबह-शाम के पीक आवर्स में उनके सफर को और तेज व सुविधाजनक बनाने के लिए एनसीआरटीसी सोमवार, 16 नवंबर से पीक आवर्स में नमो भारत की फास्ट ट्रेनें चलाने जा रहा है। इन सीमित स्टॉपेज वाली ट्रेनों से यात्रियों का यात्रा समय और कम होगा।

इन ट्रेनों के माध्यम से अब यात्री आनंद विहार से गाजियाबाद की दूरी महज 8 मिनट में, गाजियाबाद से बेगमपुल की दूरी 28 मिनट में और आनंद विहार से बेगमपुल की दूरी सिर्फ 36 मिनट में तय कर सकेंगे। वहीं, पूरे कॉरिडोर का सफर 50 मिनट से भी कम समय में पूरा किया जा सकेगा।



पीक आवर्स में दोनों ओर से दो फास्ट ट्रेनें चलेंगी

सुबह के पीक आवर्स में दोनों टर्मिनल स्टेशनों से दो-दो फास्ट ट्रेनें चलेंगी। सराय काले खां से मोदीपुरम और मोदीपुरम से सराय काले खां के लिए ये ट्रेनें सुबह 8:00 बजे और 8:30 बजे रवाना होंगी। इसी तरह, शाम के पीक आवर्स में दोनों दिशाओं में दो-दो फास्ट ट्रेनें शाम 6:00 बजे और 6:30 बजे चलेंगी। ये फास्ट ट्रेनें मौजूदा नियमित नमो भारत सेवाओं के अतिरिक्त चलाई जाएंगी।

आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरू जी ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : कौशिक

फरीदाबाद। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137 वीं जयंती आज जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद में नीलम चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर मनाई गई। इस अवसर पर पंडित नेहरू के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले 'बाल दिवस' के अवसर पर कृष्णा कॉलोनी स्थित स्वावलंबन एनजीओ द्वारा संचालित बच्चों के स्कूल में पहुंचकर बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कौशिक ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनका स्नेह, शिक्षा और बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पण सदैव हमें प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बलजीत कौशिक सहित सभी कांग्रेसियों पंडित नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने इस अवसर पर कांग्रेसियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश के विकास और लोकतंत्र की मजबूत बुनियाद रखी। देश की तरक्की में पंडित नेहरू का योगदान हमेशा विस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि देश ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के दिखाए रास्ते पर चलकर ही तरक्की की है। पंडित नेहरू की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बच्चें उन्हें चाचा नेहरू के नाम से जानते हैं और उनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नेहरू जी को बच्चे बहुत प्यारे थे इसलिए वे चाचा कहलाए और उनके जन्मदिवस को पूरा भारतवर्ष बाल दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। कौशिक ने कहा कि पंडित नेहरू ने अपने पूरे परिवार के साथ सारे सुख साधन छोड़कर देश की आजादी के लिए काम किया और कष्ट भोगे। उन्होंने लम्बे समय तक जेल काटी और एक आम आदमी का जीवन जिया।

श्रेय शहरवासियों एवं सफाई मित्रों को दिया

स्वच्छ सिटी के लिए गाजियाबाद को मिले पुरस्कार को महापौर और नगर आयुक्त ने सीएम योगी को किया भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

स्वच्छता सर्वेक्षण में स्वच्छ सिटी में गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में नंबर वन रहा जिसके लिए गाजियाबाद महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया था महापौर नगर आयुक्त द्वारा स्वच्छ सिटी का खिताब प्राप्त करने के उपरांत शहर वासियों तथा सफाई मित्रों को इसका श्रेय दिया गया, हिंडन एयरपोर्ट पर महापौर तथा नगर आयुक्त सहित निगम अधिकारियों ने माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात की साथ ही प्राप्त स्वच्छ सिटी पुरस्कार को उनको भेंट किया मौके पर अवनींद्र कुमार अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी भी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा गाजियाबाद महापौर तथा नगर आयुक्त का उत्साह वर्धन किया गया साथ ही इसी प्रकार शहर हित में स्वच्छता के प्रति बेहतर कार्यों को लगातार करते रहने के लिए मोटिवेट किया गया, मुख्यमंत्री जी द्वारा गाजियाबाद के निवासियों को भी स्वच्छता सर्वेक्षण में स्वच्छ सिटी में उत्तर प्रदेश में प्रथम आने पर शुभकामनाएं दी गई। नगर निगम द्वारा शहर में ट्रिपल आर मुहिम को बढ़ावा दिया गया, प्लास्टिक मुक्त अभियान को बढ़ावा दिया गया।



कालका पब्लिक स्कूल दक्षिण दिल्ली ने जीत दर्ज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मानव रचना यूथ कप फुटबाल टूर्नामेंट में शनिवार को हुए विभिन्न आयु वर्ग के मैचों में किशोर खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-14 के मैदान पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अंडर-8 आयु वर्ग के एक मैच में कालका पब्लिक स्कूल दक्षिण दिल्ली की टीम ने एनआईएफसी अकादमी को 4.0 से करारी मात दी।

सिविल सर्जन को दिया नोटिस

1 से 3 दिसंबर तक आशा वर्कर यूनियन संसद कूच में भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

आशा वर्कर यूनियन ने 1 दिसंबर से 3 दिसंबर तक हड़ताल करने का नोटिस सिविल सर्जन फरीदाबाद को दिया। यूनियन की जिला प्रधान हेमलता और जिला सेक्रेटरी सुधा ने बताया कि फरीदाबाद से सैकड़ों आशा वर्कर 1 दिसंबर से लगातार 3 दिसंबर तक चलने वाले संसद कूच में भाग लेंगे। इसका आह्वान सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन ने किया है। जिसमें पूरे देश से लाखों मजदूर भाग लेंगे। यह संसद मार्च ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि आशा वर्करो पर काम का बोझ बढ़ रहा है। लेकिन उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुबोध कुमार, पुत्रः** गोकुल प्रसाद, **निवासीः** पी–66, पिल्लांजी गांव, सरोजिनी नगर, दक्षिण–पश्चिम, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 80066748/2024 U/s 380/411/34 IPC, थानाः सरोजिनी नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुबोध कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुबोध कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 80066748/2024 U/s 380/411/34 IPC, थानाः सरोजिनी नगर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुबोध कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री विजयश्री राठौर
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 13, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16517/SW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1) कुंदन, पुत्रः लाल साहनी, 2) सुनीता, पत्नीः लाल साहनी, 3) कुणाल, पुत्रः लाल साहनी, पताः प्लॉट नं. 24, 28/2ई/23ए, ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली** ने **FIR No. 1215/2015, U/s 452/323/34 IPC, पुलिस थाना विवेक विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1) कुंदन, 2) सुनीता, 3) कुणाल** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1) कुंदन, 2) सुनीता, 3) कुणाल** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1215/2015, U/s 452/323/34 IPC, पुलिस थाना विवेक विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **1) कुंदन, 2) सुनीता, 3) कुणाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री मोहित शर्मा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, शाहदरा
कमरा नं. 59, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16089/SHD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप पुत्र दीनानाथ निवासी मकान नं. 20, गोविंद कॉलोनी, ग्राम झंगोला, अलीपुर, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 36/2026, अंतर्गत धारा 110/126.2/324.2/351.2/3.5 भारतीय न्याय संहिता, थाना अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** मिल नही रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 36/2026, अंतर्गत धारा 110/126.2/324.2/351.2/3.5 भारतीय न्याय संहिता, थाना अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रदीप** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री प्रियंका राजपूत
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, उत्तर, कमरा नं. 115, रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/16251/ON/2026
(Court Matter)

D.D. VENTURES LIMITED

CIN No. :- L50102DL1984PLC017834
Regd. Office : 68-68/1, Basement-1, Najafgarh Road, Industrial Area, Moti Nagar, West Delhi-110015
Email Id: a.bhaskar@ddmotors.net, Website: www.ddventures.in, Tel. No. 011-44400444

Extract of Statement of Standalone Unaudited Financial Results for the Quarter ended September 30, 2026

(Rs. in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	Quarter Ended 30.09.2026 (Unaudited)	Quarter Ended 30.06.2026 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2026 (Audited)
1	Total Income from Operations	0.00	0.00	8.16
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	-0.91	-1.40	1.27
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-0.91	-1.40	1.27
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-0.91	-1.40	1.31
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	-0.91	-1.40	1.31
6	Equity Share Capital	94.60	94.60	94.60
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet	-92.64	-92.64	-92.64
8	Earning Per Share (of Rs. 1/- each)			
	1. Basic :	-0.01	-0.01	0.01
	2. Diluted :	-0.01	-0.01	0.01

Notes:
1. The above is an extract of the detailed format of Unaudited Financial Results for the Quarter ended 30.09.2026 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Unaudited Financial Results is available on the websites of the Stock Exchange www.msei.in and the Company www.ddventures.in.

For and on behalf of the Board of
D. D. Ventures Limited
Sd/-
(Renu Gambhir)
Director
DIN: 01239511

Place : New Delhi
Date : November 14, 2026

पैनाफिक इन्वेस्टमेन्ट एण्ड फाईनेन्स लिमिटेड

(पूर्व में पैनाफिक इन्डस्ट्रियल्स लिमिटेड के नाम से विदित)
पंजीकृत कार्यालयः 23, द्वितीय मंजिल, नार्थ वेस्ट एवेन्यू, क्लब रोड, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली -110026
CIN: L45202DL1985PLC019746
वेबसाइट: www.panaficindustrialsltd.in ई–मेल: panafic.industrials@gmail.com दूरभाष: 9810009453

30.09.2026 को समाप्त तिमाही एवं अर्धवार्षिक के अनअंकेक्षित वित्तीय परिणाम (अनंतिम)

(रू० लाखों में)

	समाप्त तिमाही			समाप्त अर्धवार्षिक		समाप्त वार्षिक
	30-सितम्बर-26	30-जून-26	30-सितम्बर-25	30-सितम्बर-26	30-सितम्बर-25	31-मार्च-26
	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित
परिचालन से कुल आय (नेट)	1,023.01	646.57	22.94	1,669.58	49.03	76.24
कर से पहले सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों से पहले)	461.69	414.76	8.30	876.44	15.21	(236.58)
कर से पहले सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के बाद)	461.69	414.76	8.30	876.44	15.21	(236.58)
कर के बाद सामान्य गतिविधियों से नेट लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के बाद)	461.69	414.76	8.30	876.44	15.21	(236.82)
कर एवं गैर नियंत्रित ब्याज के बाद कुल व्यापक आय	461.69	414.76	8.30	876.44	15.21	(236.82)
चुकता इक्वीटी शेयर कैपीटल	4927.5	4927.5	821.25	4927.5	821.25	821.25
रिजर्व (रीवैलूवेसन रिजर्व को छोड़कर जैसा कि पिछले वर्ष के तुलन पत्र में दर्शाया गया)	(63.11)	(63.11)	171.30	171.3	170.54	-63.11
प्रति शेयर आय (संचालन जारी एवं बंद करने के लिए)						
मूल	0.09	0.08	0.01	0.18	0.02	-0.29
तरल	0.09	0.08	0.01	0.18	0.02	-0.29

टिप्पणीयाँः
1. सितम्बर 30, 2026 की उपरोक्त अवधि को समाप्त तिमाही के परिणामों का लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और निदेशक मंडल की 13 नवम्बर, 2026 की बैठक में अनुमोदित किये गये।
2. सितम्बर 30, 2026 की अवधि के समाप्त तिमाही के उपरोक्त वित्तीय परिणामों को कम्पनीज अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानक ("आईएनडी एएस") के उसके अन्तर्गत साथ में पठित जारी प्रासांगिक नियमों एवं सेबी (लिस्टिंग दायत्वों एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं), विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अनुसार तैयार किये गये।
3. सितम्बर 30, 2026 को समाप्त तिमाही के परिणामों का वैधानिक परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा की गई।
4. कम्पनी की गतिविधि केवल एक व्यावसाय खण्ड में आती है इसलिए कम्पनी पर खण्डवार रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
5. पिछली अवधि के आकड़े जहाँ पर आवश्यक हो, समूहीकृत/पुनःवर्गीकृत किये गये हैं।
6. उपरोक्त परिणाम मुम्बई स्टॉक एक्सचेन्ज की वेबसाइट www.bseindia.com एवं कम्पनी की वेबसाइट www.panaficindustrialsltd.com पर उपलब्ध हैं।

निदेशक मंडल की ओर से उनके लिए
पैनाफिक इन्वेस्टमेन्ट एण्ड फाईनेन्स लिमिटेड
(पूर्व में पैनाफिक इन्डस्ट्रियल्स लिमिटेड के नाम से विदित)
हस्ता०/–
सरिता गुप्ता
प्रबन्ध निदेशक
DIN: 00113099

स्थान : नई दिल्ली
तिथि: 13.11.2026

जीएम ने ऐशबाग स्टेशन का किया निरीक्षण



लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ गौरव अग्रवाल के साथ ऐशबाग जंक्शन व बादशाहनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलपथ की संरक्षा, तकनीकी व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ऐशबाग जंक्शन पर महाप्रबंधक ने मेन लाइन के रेलपथ का टो-लोड परीक्षण कराया। इसके साथ ही अन्य लाइनों पर भी टो-लोड का मापन कराया गया।

योगी सरकार में पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

यूपी के सभी 75 जनपदों के 20% परिषदीय विद्यालय सोशल ऑडिट के लिए चिह्नित

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित परिषदीय विद्यालयों के 20 प्रतिशत विद्यालयों का सोशल ऑडिट कराया जाएगा। इसके लिए कुल 26,720 परिषदीय विद्यालय चिह्नित किए गए हैं...

योगी सरकार प्रदेश की परिषदीय शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण पहल कर रही है।

इसी क्रम में प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित परिषदीय विद्यालयों के 20 प्रतिशत विद्यालयों का सोशल ऑडिट कराया जाएगा। इसके लिए कुल 26,720 परिषदीय विद्यालय चिह्नित किए गए हैं।



एमओयू के अनुसार 50% अग्रिम राशि देने का पत्र भेजा

सोशल ऑडिट की प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए सोशल ऑडिट निदेशालय, ग्राम्य विकास विभाग और राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा मोनिका रानी ने सोशल ऑडिट निदेशालय के निदेशक को एमओयू की हस्ताक्षरित प्रति भेजते हुए समझौते के अनुसार अग्रिम देय 50 प्रतिशत धनराशि के हस्तांतरण के लिए बैंक खाते का पूरा विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, जिससे धनराशि हस्तांतरण की प्रक्रिया समय से पूरी की जा सके।

छह माह में पूरी होगी ऑडिट प्रक्रिया

एमओयू हस्ताक्षरित होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर सोशल ऑडिट की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसे छह माह के भीतर पूरा करने का प्रावधान किया गया है। ऑडिट प्रक्रिया समाप्त होने के दो माह के भीतर अंतरिम और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। एमओयू हस्ताक्षर की तिथि से एक वर्ष तक प्रभावी रहेगा।

योजनाओं के वित्तीय और भौतिक पक्षों का होगा मूल्यांकन

एमओयू का मुख्य उद्देश्य समग्र शिक्षा योजना की पारदर्शिता, निष्पक्षता और प्रभावशीलता का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करना है। इसके अंतर्गत योजना से संबंधित वित्तीय अभिलेखों, वाउचर, अनुदान वितरण और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। साथ ही योजना के भौतिक लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन भी होगा। लाभार्थियों का फील्ड वेरिफिकेशन और सैंपल चेकिंग की जाएगी। सोशल ऑडिट निदेशालय की टीम योजना के क्रियान्वयन में सामने आने वाली कमियों, वित्तीय अनियमितताओं और सुधार संबंधी सुझावों को शामिल करते हुए विस्तृत सोशल ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

पेज एक का शेष

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला...

उद्देश्य यह है कि यदि कोई देशी या विदेशी खरीदार किसी उत्पाद में रुचि दिखाए और अधिक जानकारी मांगे तो उसे बिना किसी बिचौलिए के सीधे उत्पादक तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के उत्पादकों, विशेषकर छोटे और मध्यम उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध हुआ है। इससे उन्हें विदेशों से भी ऑर्डर प्राप्त होने की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस कॉर्नर का मूल मकसद प्रदेश में एक्सपोर्ट को अधिक से अधिक बढ़ाना और हरियाणा के उत्पादों को वैश्विक बाजार में मजबूत पहचान दिलाना है। हरियाणा पवेलियन के निदेशक अनिल चौधरी ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस बार मेला प्रशासन ने विशेष तौर पर सभी राज्यों से अनुरोध किया था कि वे अपने राज्य पवेलियन में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उच्च मांग वाले निर्यात उत्पादों के प्रदर्शन की व्यवस्था करें। इसके लिए पवेलियन में अलग से एक एक्सपोर्ट कॉर्नर बनाने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस सुझाव के मद्देनजर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार इस बार हरियाणा पवेलियन में एक्सपोर्ट कॉर्नर तैयार किया गया है। यह पहल दर्शाती है कि प्रदेश सरकार न केवल केंद्र के विजन के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है, बल्कि उसे धरातल पर उतारने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

उपनिदेशक रमनदीप ने बताया कि एक्सपोर्ट कॉर्नर में हरियाणा की विविध औद्योगिक क्षमता की झलक देखने को मिल रही है। यहां कॉपर उत्पाद, रेडीमेड गारमेंट, पेपर टैग, फुटबॉल, लैदर जैकेट, योगा मैट, वॉल माउंट फ्रेम, मेडिकल किट, बिल्डिंग वायर, नीम प्रोडक्ट, इलेक्ट्रिक स्विच और फ्लोरिंग आइटम सहित अनेक उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इन उत्पादों की सूची अपने आप में हरियाणा की बहुआयामी औद्योगिक पहचान को बयां करती है। एक ओर खेल के मैदान में काम आने वाली फुटबॉल और फिटनेस के लिए योगा मैट हैं, तो दूसरी ओर घर और निर्माण क्षेत्र से जुड़े बिल्डिंग वायर, इलेक्ट्रिक स्विच और फ्लोरिंग आइटम। फैशन के शौकीनों के लिए रेडीमेड गारमेंट और लैदर जैकेट हैं, तो स्वास्थ्य और प्राकृतिक उपयोग के लिहाज से मेडिकल किट और नीम प्रोडक्ट भी शामिल हैं। यही विविधता हरियाणा को एक्सपोर्ट के क्षेत्र में एक मजबूत और भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित करती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आने वाले देशी-विदेशी आगंतुक इस कॉर्नर में रुककर उत्पादों को देख रहे हैं और उनके बारे में जानकारी भी ले रहे हैं।

गिग वर्कर्स को ...

दौरान कर्मचारियों ने अपनी परेशानियां और समस्याएं साझा की थीं। तब उन्होंने, मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी ने उनकी मांगों पर कार्रवाई करने और हरसंभव मदद का वादा किया था। आज सरकार इस वादे को पूरा कर रही है। नई योजना के तहत उन्हें अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा। राहुल ने कहा कि अब गिग वर्कर्स अपने मोबाइल फोन पर देख सकेंगे कि उन्होंने कितनी राइड पूरी कीं, कितना काम किया और इसके बदले उन्हें कितने पैसे मिले। इससे उनके काम और कमाई का पूरा हिसाब पारदर्शी तरीके से उपलब्ध होगा।

एससीओ सभ्यता...

परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्री इस महीने के आखिर में भारत की यात्रा पर जा सकते हैं। सरकार ने उन्हें नई दिल्ली में होने वाले एससीओ सभ्यता संवाद मंच में पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होने के लिए नामित किया है।

2023 के बाद ...

से की जाने वाली पहली उच्च-स्तरीय या मंत्री स्तरीय यात्रा होगी। पूर्व में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए 2023 में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत की यात्रा की थी। पाकिस्तानी बयान के मुताबिक, एससीओ के कार्यक्रम की मदद से समूह के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को सभ्यता संवाद और सांस्कृतिक समझ जैसे विषयों पर विचारों को एक-दूसरे से साझा करने का मौका मिलेगा। पाकिस्तान की सरकार आपसी सम्मान की भावना के साथ एससीओ के ढांचे के अंतर्गत सभ्यताओं और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहलगाम हमले के बाद गर्त में पहुंचे संबंध: पिछले साल 2025 में पाकिस्तान के समर्थन से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में लश्कर के छद्म आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा की गई 26 बेकसूर लोगों की निर्मम हत्या के मामले के बाद से दोनों देशों के संबंध पटरी से उतर गए हैं। भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर नामक सैन्य अभियान के जरिए अपना करारा जवाब दिया था। जिसमें सीमा के उस ओर मौजूद 9 शिविरों में छिपे बैठे 100 से अधिक आतंकवादियों को पलक झपकते ही मार गिराया गया था। इसके तुरंत बाद भारत ने पाकिस्तान को यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जब तक वह भारत के खिलाफ सीमापार आतंकवाद पर पूरी तरह से रोक नहीं लगाता है। तब तक उसके और भारत के द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं होंगे। आतंकवाद के खिलाफ भारत शून्य सहिष्णुता की नीति पर मजबूती के साथ डटा हुआ है।

एनसीआर राज्यों को ...

करने का निर्देश दिया। इस बात पर जोर देते हुए कि हवा का प्रदूषण राज्य की सीमाओं को नहीं मानता, उन्होंने पूरे एनसीआर में प्रदूषण कंट्रोल के मिलते-जुलते उपायों को मिलकर लागू करने की बात कही। यादव ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसीएस) के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग और उल्लंघन के लिए फील्ड अधिकारियों की सीधी जवाबदेही पर भी जोर दिया। राज्य सरकारों को हरियाणा के 7 शहरों, यूपी के 4 शहरों और राजस्थान के 4 शहरों के लिए सेक्रेटरी लेवल के अधिकारियों को नॉमिनेट करने का निर्देश दिया गया ताकि वे फील्ड विजिट के जरिए प्रदूषण कंट्रोल के उपायों को लागू करने के लिए जिम्मेदार हों और हर हफ्ते सीएक्यूएम को रिपोर्ट करें। सीएक्यूएम से काम न करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया।

जीआरएपी और शीतकालीन कार्य योजनाओं को सख्ती से लागू करना: मंत्री ने सभी एजेंसियों को जीआरएपी के सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया और एनसीआर राज्यों से दिल्ली की हॉटस्पॉट-केंद्रित शीतकालीन कार्य योजना को अपनाने का आह्वान किया, जिसमें यातायात प्रबंधन, घर से काम करने के उपाय, निर्माण प्रतिबंध और खुले में जलाने की रोकथाम शामिल है। सीएक्यूएम के 30.10.2026 के आदेश के अनुसार, 5 से 20 नवंबर 2026 तक पूरे एनसीआर में धूल पैदा करने वाली निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

वाहन और औद्योगिक प्रदूषण: वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर, यादव ने 2028 तक प्री-बीएस-**VI** ट्रकों और बसों को बीएस-**VI**, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने के लिए परिवर्तन योजना में तेजी लाने का आह्वान किया। समीक्षा खत्म करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की चुनौती से असरदार तरीके से निपटने के लिए मिलकर कोशिशें, जमीनी स्तर पर जवाबदेही और जमीन पर दिखने वाला कार्रवाई जरूरी है।

महिला आरक्षण कानून ...

विधायी पैकेज को पारित कराया जा सके। इस पैकेज में परिसीमन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित कानून में संशोधन भी शामिल होंगे। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, संसद का शीतकालीन सत्र 30 नवंबर या 4 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। ऐसे में सरकार के पास शीतकालीन सत्र से पहले संसद का विशेष सत्र बुलाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, इस बात पर भी विचार किया जा रहा है कि पूरे विधायी पैकेज को शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जाए। सूत्रों का कहना है कि इस बार शीतकालीन सत्र नवंबर के तीसरे सप्ताह में ही शुरू होना जरूरी नहीं है। पिछले वर्ष शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू हुआ था। सूत्रों के अनुसार, सरकार के सामने दो विकल्प हैं। पहला, महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए और दूसरा, शीतकालीन सत्र में ही संबंधित विधेयकों को पेश कर पारित कराने की कोशिश की जाए। सरकार के सामने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण कानून को प्रभावी बनाने की चुनौती है। ऐसे में मौजूदा संसद सत्रों को इस दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तीन विधेयकों को ...

परिसीमन विधेयक के माध्यम से परिसीमन आयोग के गठन का रास्ता तैयार किया जाएगा। यह आयोग लोकसभा क्षेत्रों की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण करेगा। प्रस्तावित योजना के तहत लोकसभा की कुल सदस्य संख्या को बढ़ाकर अधिकतम 850 तक किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि संसद के मानसून सत्र को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। 12 नवंबर तक इसे स्थगित हुए 91 दिन हो चुके थे। ऐसी स्थिति में संसद का सत्र बुलाने के लिए 14 दिन का अनिवार्य नोटिस देने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार अपनी जरूरत के मुताबिक विशेष सत्र बुला सकती है।

दोनों सदनों में ...

समर्थन जरूरी होता है। इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में पारित नहीं कराया जा सकता। गौरतलब है कि अप्रैल में महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाने से संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक समर्थन नहीं मिलने के कारण पारित नहीं हो पाया था। इस अनुभव के बाद सरकार इस बार विधेयक पेश करने से पहले राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करने की रणनीति पर काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा में एनडीए के पास लगभग 320 सदस्यों का समर्थन है, जबकि राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या 155 है। लोकसभा में यदि सभी सदस्य उपस्थित होकर मतदान करते हैं तो दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 मतों की जरूरत होगी। इस लिहाज से एनडीए को 40 अतिरिक्त सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होगी। इसी तरह राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 161 है। यहां भी एनडीए को छह अतिरिक्त सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी। हालांकि, मतदान के समय सदन में उपस्थित सदस्यों की वास्तविक संख्या के आधार पर आवश्यक दो-तिहाई मतों का आंकड़ा बदल सकता है। सूत्रों का कहना है कि सरकार को इस विधायी पैकेज को पारित कराने के लिए अन्य दलों का समर्थन हासिल करने या कुछ दलों के मतदान से दूर रहने की स्थिति में भी आवश्यक संख्या जुटाने की उम्मीद है। इसके लिए विभिन्न राजनीतिक दलों से बातचीत और उनकी आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की जा रही है।

दक्षिण भारतीय दलों ...

प्रभावित नहीं होगी। सरकार का मानना है कि राजनीतिक दलों की इन आशंकाओं को दूर किए बिना महिला आरक्षण कानून को लागू करने से जुड़े संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित कराना आसान नहीं होगा। इस प्रकार, केंद्र सरकार के सामने एक ओर महिला आरक्षण कानून को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करने की समयसीमा है, वहीं दूसरी ओर परिसीमन और लोकसभा की बढ़ी हुई सदस्य संख्या को लेकर व्यापक राजनीतिक सहमति बनाने की चुनौती भी है।

हरियाणा सरकार
हरियाणा हीरक जयंती HARYANA HIRAK JAYANTI 1966 - 2026

जनजातीय गौरव दिवस
15 नवम्बर, 2026

भगवान बिरसा मुंडा जी

की जयंती के अवसर पर

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि
श्री नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

15 नवम्बर, 2026 | प्रातः 11:00 बजे
सेक्टर 27, हर्बल पार्क के सामने, पंचकूला
कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे संबोधित



"धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी को कोटि-कोटि नमन। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए विदेशी हुकूमत के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। मातृभूमि के लिए सर्वस्व त्याग करने की उनकी गाथा देश की हर पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति का संचार करती रहेगी।"
- नरेन्द्र मोदी

HARYANACMO CMOHRY www.haryanacmoffice.gov.in
सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 15 नवंबर 2026

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी

एक जरूरी पड़ताल



आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।

कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।

देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबादी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

नवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन

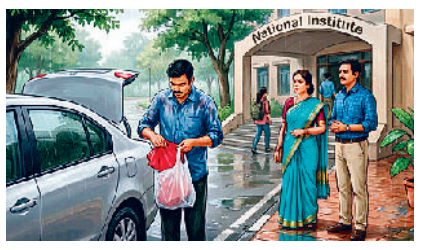

ड्राइवर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था, 'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा, 'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

क्षेत्र की खुशी के लिए!

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।



क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां

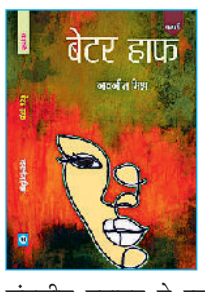

वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तक: बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखक: नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए,
प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली

आप सरकार ने झूठे वादों से जनता को किया निराश, युवाओं को नहीं मिल रही नौकरियां

2029 तक पंजाब से नशे का कारोबार खत्म करना भाजपा की गारंटी : नायब

पंजाब के पटियाला में कार्यक्रम को संबोधित किया, सीएम की उपस्थिति में कई नेता पार्टी में शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2029 तक पंजाब से नशे के कारोबार को समाप्त करना भाजपा की गारंटी है। नशे का अवैध कारोबार करने वालों को या तो अपना धंधा छोड़ना होगा या पंजाब छोड़कर कहीं और जाना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता से झूठे वादे कर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने प्रदेश को भ्रष्टाचार, नशे और अव्यवस्था की ओर धकेल दिया है। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब के पटियाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सरदार हरिंदर सिंह सबरवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा का दामन थामा। सैनी ने कहा कि वर्ष 2022 में पंजाब की जनता ने बदलाव की उम्मीद के साथ आम आदमी पार्टी को 117 में से 92 सीटें देकर ऐतिहासिक जनादेश दिया था। लोगों को उम्मीद थी कि नशा समाप्त होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, किसानों की समस्याओं का समाधान होगा और भ्रष्टाचार मुक्त शासन मिलेगा।



पंजाब और हरियाणा का रिश्ता खून और परिवार का

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा का रिश्ता राजनीतिक नहीं, बल्कि खून और परिवार का रिश्ता है। पंजाब के लोग दुखी होते हैं तो हरियाणा के लोगों के दिलों में भी पीड़ा होती है। जिस पंजाब ने देश का पेट भरने और सीमाओं की रक्षा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उसे कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हितों के लिए पीछे धकेलने का काम किया है।

हरियाणा में मेरिट से नौकरी पंजाब में चल रहा गोलमाल



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए फिर जुबानी हमला बोला है। हरियाणा में बिना पर्ची-खर्ची दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां देने का दावा करते हुए कहा कि पंजाब में भर्तियों में गोलमाल चल रहा है। पठानकोट के छतवाल में शनिवार को भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय एवं आरोग्य केंद्र के उद्घाटन अवसर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भर्ती का आधार केवल योग्यता और मेरिट है। पंजाब में आबकारी निरीक्षक भर्ती में अभ्यर्थियों के नाम का जिक्र करते हुए उनके चयन होने पर सवाल उठाये। एक अभ्यर्थी के दो रोल नंबर होने, दो अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर एक ही समय परीक्षा देने और दोनों जगह चयन होने जैसी बातों का उल्लेख करते हुए भर्ती प्रक्रिया के निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

भारत पर्व 2026 में उत्तर भारत के राज्यों के पवेलियन बने आकर्षण का केंद्र

गुजरात/चंडीगढ़। गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व 2026 देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविधता और राष्ट्रीय एकता का जीवंत उत्सव बनकर उभर रहा है। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचकर भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं, खान-पान, हस्तशिल्प और पर्यटन स्थलों का अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। यह आयोजन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करते हुए देश की विविधता में एकता का संदेश दे रहा है। भारत पर्व 2026 देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं, क्षेत्रीय व्यंजनों, हस्तशिल्प, लोक कलाओं, संगीत और नृत्य को एक साझा मंच पर प्रस्तुत कर रहा है। इसमें सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों, इनक्रेडिबल इंडिया तथा केंद्रीय कुटीर उद्योगों की सहभागिता है। उत्सव के प्रमुख आकर्षणों में 100 से अधिक 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) उत्पाद, पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, चित्रकलाएं, कृषि उत्पाद और क्षेत्रीय विशिष्टताएं शामिल हैं। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शनी मंडप पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। इन मंडपों में स्थानीय कला, स्थापत्य, पारंपरिक वस्त्र, हस्तशिल्प, स्मृति-चिह्न, पर्यटन स्थलों और क्षेत्रीय विशेषताओं



को प्रदर्शित किया जा रहा है। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों के मंडप अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन, वास्तुकला, परंपरागत संगीत एवं नृत्य आकर्षण के केंद्र बने हुए हैं। चंडीगढ़ के पवेलियन में शहर की विशिष्ट वास्तुकला, सुनियोजित शहरी विकास एवं आर्किटेक्चर, चित्रकला और कलात्मक विरासत को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। यहां शहर की आधुनिक पहचान, स्थापत्य कला, टूरिज्म स्थलों और सांस्कृतिक विशेषताओं को दर्शाने वाली प्रस्तुतियां को एवं चंडीगढ़ की विशिष्ट पहचान से लोगों को परिचित करा रहे हैं।

विदेशी अंशदान कानून पर एनएफपीआरसी ने दिए सुझाव

नई दिल्ली। एनएफपीआरसी फाउंडेशन ने विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष अपने सुझाव और विचार प्रस्तुत किए। डॉ. संजय जायसवाल की अध्यक्षता में गठित समिति के सामने फाउंडेशन ने प्रस्तावित संशोधनों के विभिन्न पहलुओं पर अपना शोध आधारित दृष्टिकोण रखा।फाउंडेशन ने विदेशी अंशदान से जुड़े नियमों और नियामक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और मजबूत बनाने के उद्देश्य से सुझाव दिए। चर्चा के दौरान विधेयक के विभिन्न प्रावधानों, प्रस्तावित कानूनी बदलावों और उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।इस दौरान संस्थागत प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, निगरानी व्यवस्था को प्रभावी करने और संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़े पहलुओं पर भी सुझाव साझा किए गए। फाउंडेशन ने प्रस्तावित बदलावों के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जरूरी व्यवस्थाओं पर अपनी राय रखीइस अवसर पर एनएफपीआरसी फाउंडेशन की ओर से निदेशक साहिल देव, शोध निदेशक अनंत कृष्ण, टीम प्रबंधक मोनालिसा नंदा और परामर्शदाता हर्ष अनमोल मौजूद रहे।फाउंडेशन की इस भागीदारी का उद्देश्य विधेयक पर संसदीय चर्चा में शोध और संस्थागत अनुभव के आधार पर उपयोगी सुझाव देना रहा।

बाइक चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार आरोपी पर कई मोटरसाइकिल चोरी के आरोप



अंबिकापुर। सरगुजा जिला के अंबिकापुर शहर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये है। बरामद वाहनों में गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र से चोरी की गई बाइक भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, महुआपारा निवासी आदित्य कुजूर की होंडा ड्रीम युगा मोटरसाइकिल 12 नवंबर को गांधी स्टेडियम के बाहर से चोरी हुई थी। उन्होंने वाहन खड़ा किया था, लेकिन लौटने पर बाइक गायब मिली। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किया गया।

ग्रामीण परिवारों को मिल रहा संपत्ति का वैधानिक अधिकार

सीएम रजिस्ट्री योजना में प्रदेश में 20 लाख से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों की संपत्तियों का पंजीयन किया जा रहा है।

प्रदेश में अब तक कुल 20 लाख 5 हजार 863 रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैं। योजना से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का वैधानिक दस्तावेज प्राप्त हो रहा है। इससे उन्हें बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में भी सहायता मिलेगी।

नरसिंहपुर में 59 हजार 128, रायसेन में 55 हजार 981 रजिस्ट्री

इसी प्रकार नरसिंहपुर में 59 हजार 128, रायसेन में 55 हजार 981, धार में 55 हजार 651, विदिशा में 55 हजार 311, खंडवा में 52 हजार 897, नीमच में 52 हजार 620, खरगोन में 51 हजार 998, बैतूल में 48 हजार 893, सीहोर में 48 हजार 350, कटनी में 45 हजार 381, शाजापुर में 45 हजार 226, देवास में 43 हजार 590, दमोह में 39 हजार 836, नर्मदापुरम में 39 हजार 025, रतलाम में 38 हजार 410, इंदौर में 34 हजार 361, भिंड में 34 हजार 026 और मंडला में 33 हजार 682 रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं।

गुना में 30 हजार 573, मुरैना में 29 हजार 817

इसके साथ ही गुना में 30 हजार 573, मुरैना में 29 हजार 817, बड़वानी में 28 हजार 954, पन्ना में 28 हजार 279, सतना में 28 हजार 173, बुरहानपुर में 26 हजार 531, टीकमगढ़ में 23 हजार 939, हरदा में 23 हजार 772, डिंडोरी में 23 हजार 180, अशोकनगर में 23 हजार 004, ग्वालियर में 22 हजार 776, आगर-मालवा में 21 हजार 853, रीवा में 20 हजार 098, दतिया में 18 हजार 873, श्योपुर में 17 हजार 512, भोपाल में 14 हजार 972, निवाड़ी में 12 हजार 219, पांढुर्णा में 12 हजार 120, झाबुआ में 11 हजार 406, मैहर में 9 हजार 971, सीधी में 4 हजार 204, सिंगरौली में 2 हजार 730 पूर्ण हो चुकी हैं।

डिजिटल तकनीक से पंजीयन एवं सत्यापन प्रक्रिया हुई सुगम

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सारा ऐप और संपदा 2.0 जैसी डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इनके माध्यम से संपत्ति संबंधी अभिलेखों के संधारण, पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और सुगम बनाया गया है। ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित पात्र नागरिकों की संपत्तियों का निशुल्क पंजीयन कर उनके वैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित किया जा रहा है।

नशीला पदार्थ एमडीएमए बेचने की फिराक में खड़ा था युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले के पुरानी बस्ती पुलिस ने कुशालपुर स्थित पहाड़ी तालाब के पास एमडीएमए नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़े युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 27 हजार रुपये मूल्य का 2.65 ग्राम एमडीएमए जैसा नशीला पाउडर, बिक्री के 200 रुपये और एक आईफोन जब्त किया है। पकड़े गए युवक की पहचान इमलीडीह निवासी 26 वर्षीय रितिक मोदी के रूप में हुई है। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पहाड़ी तालाब के पास एक युवक नशीला पाउडर लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ लिया।



मामले से जुड़े तीन अन्य आरोपियों पर भी केस दर्ज

पुलिस पूछताछ में रितिक मोदी ने बताया कि यह नशीला पाउडर उसे रायपुर निवासी सन्नी मनवानी ने उपलब्ध कराया था। सन्नी ने इसे भिलाई-दुर्ग निवासी आरती सोनी से खरीदकर बेचने के लिए दिया था। पुलिस ने रितिक मोदी के साथ सन्नी मनवानी और आरती सोनी को भी आरोपी बनाया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया



बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस : राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक



जनजातीय गौरव दिवस

विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री
(छत्तीसगढ़)

हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

भारत की पहचान हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से है। इस महान सांस्कृतिक विरासत को संजोने में हमारा जनजातीय समाज सदैव अग्रणी रहा है। हमारी जनजातीय परंपराओं के प्रति सम्मान है, सामाजिक समरसता और अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। जनजातीय गौरव दिवस केवल महान नायकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के समग्र योगदान को सम्मान देने का दिन है।

इस गौरवशाली परंपरा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का नाम विशेष आदर के साथ लिया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अस्मिता के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों और मतांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। वर्ष 1899 में उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान अर्थात महाविद्रोह केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था। वह जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के परंपरागत अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की लड़ाई भी थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना बलिदान दिया, उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के इस महान योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान दिया है। उनके नेतृत्व में वर्ष 2021 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह ऐतिहासिक निर्णय जनजातीय नायकों के बलिदान और समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। आज देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने महान नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।

श्रद्धेय भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य का गठन हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की दूरदृष्टि से जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय कल्याण की योजनाओं को भी नई दिशा मिली है। पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं जनजातीय परिवारों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना



का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम जनमन योजना से छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवार और धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6 हजार 691 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने में हमारे जनजातीय समाज के भाई–बहनों का बड़ा आशीर्वाद रहा। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गारंटी पर भरोसा करते हुए जनता ने भाजपा की सरकार बनाई और जनजातीय समाज के साधारण कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।

माओवाद का सबसे अधिक दंश जनजातीय समाज ने झेला है। दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस हिंसक विचारधारा को समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाहजी ने माओवाद के विरूद्ध जिस तरह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई उससे आज देश वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल हुआ है। इसका सर्वाधिक लाभ जनजातीय क्षेत्रें के सर्वांगीण विकास के रूप में देखने को मिल रहा है। एक समय था जब बस्तर के अनेक गांव नक्सल हिंसा के कारण विकास से दूर रह गए थे। सड़कें नहीं थीं, स्कूल बंद थे और लोगों को सामान्य सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज बस्तर में बदलाव का नया दौर शुरू हुआ है। नियद नेल्लानार एवं बस्तर मुन्ने जैसी पहल के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री जी के करकमलों से नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक–सह–जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन हुआ। यह संग्रहालय हमारे पूर्वजों के संघर्ष, साहस और बलिदान की जीवंत गाथा है। जनजातीय समाज के साथ हमारे प्रधानमंत्री जी की आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस बार दीपावली जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में जवानों के बीच मनाई।

मैंने जनजातीय समाज के संघर्ष को भी करीब से देखा है। वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर मुझे राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा मिली। वनवासी समाज के लोग सरल–सहज होते हैं, कई बार देशविरोधी ताकतें इसका फायदा उठाती है। भगवान बिरसा मुंडा मतांतरण जैसी सामाजिक बुराई के विरूद्ध प्रेरणापुंज हैं। उनकी प्रेरणा से ही मैं स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी के नेतृत्व में मतांतरण के विरूद्ध अभियान का हिस्सा बना। छत्तीसगढ़ भांचा राम का ननिहाल है। माता शबरी के जूठे बेर यहीं भगवान राम ने वनवास के दौरान खाए। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू कर लोगों को रामलला के जन्मस्थली अयोध्या धाम की यात्रा को आसान बनाया।

आज हमारा दायित्व है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के माध्यम से साकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के समावेशी विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था

सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

जनजातीय समाज के सम्मान से ही सशक्त भारत



जनजातीय गौरव दिवस

कर्मवीर सिंह

जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्र के स्वाभिमान तक, भगवान बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास की ऐसी प्रेरणागाथा है, जो आज भी देश को दिशा दिखाती है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की जड़ें जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही समृद्ध हमारी जनजातीय परंपराएं भी हैं। भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान केवल अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की स्वतंत्रता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश, इतिहास के अनेक पन्नों में इन महानायकों के संघर्ष और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे वास्तविक रूप से हकदार थे। इसी ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जनजातीय गौरव दिवस, जिसे प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों के स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव को नमन करने का दिन है।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा का जीवन असाधारण संघर्ष और अदम्य साहस की मिसाल है। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातू ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच उनका पालन-पोषण किया। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और सामाजिक चेतना से संपन्न बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में यह समझ लिया था कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी चुनौती उसकी जमीन, संस्कृति और पारंपरिक अधिकारों पर बढ़ता बाहरी हस्तक्षेप है।

उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और शिक्षा, स्वच्छता, नैतिकता तथा सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धा से 'धरती आबा' अर्थात धरती के पिता कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन उनके प्रति केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अपनी धरती और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' अर्थात हमारा देश, हमारा राज का उनका विचार आदिवासी स्वशासन, अधिकार और आत्मसम्मान की भावना का प्रतीक बन गया। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह नहीं था, बल्कि अपनी पहचान, परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार की लड़ाई भी था। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया। उनके आंदोलन के बाद आदिवासी भूमि अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी बदलाव हुए। 1908 का



छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण परिणाम था। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरता और बलिदान की अनेक गाथाओं की साक्षी रही है। वीर नारायण सिंह और शहीद गुंडाधुर जैसे जननायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान की विरासत छोड़ी है।

बस्तर की गौरवशाली परंपराओं से लेकर सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता तक, जनजातीय समाज ने अपनी पहचान और विरासत को जीवित रखा है। उनके पर्व, परंपराएं, सामुदायिक जीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान हमें विकास का एक ऐसा दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलते हैं।आज आवश्यकता है कि जनजातीय समाज की इस समृद्ध विरासत को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, शोध, पर्यटन, कला और राष्ट्रीय विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए।

जनजातीय गौरव दिवस हमें अतीत के बलिदानों को याद करने के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारियों का भी एहसास कराता है। किसी समाज का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

आज जनजातीय क्षेत्रों में विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, वन अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना तथा जनजातीय भाषाओं और परंपराओं का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान में मोदी सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और विकास, दोनों क्षेत्रों में अपने संकल्प के अनुरूप प्रयास कर रही है। आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि विकास की इस यात्रा में जनजातीय समाज की भागीदारी केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार के रूप में हो। जनजातीय समाज के युवाओं को शिक्षा, खेल, तकनीक, उद्यमिता, प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, जनजातीय महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूती मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का 1 नवंबर 2025 को उद्घाटन भी इसी ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह संग्रहालय उन अनेक जनजातीय नायकों के योगदान को सामने लाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।

क्योंकि जनजातीय समाज का सम्मान केवल अतीत के बलिदानों को याद करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य में उनके सपनों को साकार करने से होगा।

यह हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि जनजातीय गौरव दिवस पर हम ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहां विकास के साथ विरासत सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और हर जनजातीय नागरिक को सम्मान, समान अवसर और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का अधिकार मिले।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यही संदेश देता है—अपनी धरती से जुड़े रहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व कीजिए और अपने अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए सदैव सजग रहिए।

जय धरती आबा !

-लेखक भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।

जनजातीय खेल प्रतिभाओं को मिल रही नई पहचान



जनजातीय गौरव दिवस

अरुण साव

बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं का अपार भंडार है। यहां के युवाओं में साहस, जीवटता, शारीरिक क्षमता और संघर्ष का अद्भुत जज्बा है। अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्हें उचित प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के अभाव में अपनी क्षमता साबित करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। इन प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का मंच देना छत्तीसगढ़ के खेल विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय खिलाड़ियों को स्थानीय प्रतियोगिताओं से लेकर राष्ट्रीय खेल मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

किसी खिलाड़ी की प्रतिभा उसकी भौगोलिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन और परिश्रम से आंकी जानी चाहिए। इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों में खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का विस्तार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 22 करोड़ 54 लाख रुपए का प्रावधान है। इसमें बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए, बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए दो करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। युवा कल्याण गतिविधियों और राज्य युवा उत्सव के लिए भी दो-दो करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

जनजातीय खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित मार्गदर्शन और उपयुक्त खेल मैदानों की उपलब्धता शामिल है। इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष सरगुजा, कांकेर, जशपुर और गरियाबंद में स्टेडियम निर्माण के लिए 35 करोड़ 32 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृतियां दी गई हैं। सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम, कांकेर के सिंगारभाट और गरियाबंद में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम तथा जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। जशपुर में तीरंदाजी अकादमी के लिए 16 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं के विकसित होने से जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता निखारने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर देने की दृष्टि से बस्तर ओलंपिक एक महत्वपूर्ण पहल है। बस्तर संभाग के सात जिलों में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएं दूरस्थ गांवों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देती हैं। जो खिलाड़ी बड़े खेल आयोजनों तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, उन्हें अपने क्षेत्र से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक का उल्लेख 'अनूठे ओलंपिक' के रूप में किया है। इसी तरह



सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से संभाग के छह जिलों में 12 खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों की वास्तविक उपलब्धि केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि उन प्रतिभाओं को सामने लाना है, जिनके पास हुनर तो है, लेकिन उसे प्रदर्शित करने के अवसर सीमित रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में सामने आया। देश के इस पहले आयोजन की मेजबानी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जनजाति समाज के सर्वप्रिय जननेता श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व मे छत्तीसगढ़ ने 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में की। एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, मारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती की सात खेल विधाओं ने जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने का राष्ट्रीय मंच दिया। प्रदेश के व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर दो लाख रुपए, रजत पर डेढ़ लाख रुपए और कांस्य पदक पर एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। ऐसे आयोजन जनजातीय खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय अंचलों की बेटियों में भी खेल प्रतिभाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के अधिक अवसर मिलें, इसके लिए महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए 76 लाख रुपए तथा ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक करोड़ छह लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। जनजातीय परिवारों की बेटियों को खेल के मैदान तक पहुंचने और अपनी पहचान बनाने के अवसर उपलब्ध कराना सामाजिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

खेल जनजातीय युवाओं के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। मैदान पर मिली सफलता उन्हें नई आकांक्षाओं से जोड़ती है। बस्तर ओलंपिक को राष्ट

ओडिशा के हर गरीब को मिलेगा पक्का घर:शिवराज

बलांगीर के कृषि कॉलेज को बनाएंगे देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थानः शिवराज सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को ओडिशा के बलांगीर में आयोजित 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत करते हुए ओडिशा को कई सौगातें प्रदान की। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री चौहान ने ऐलान किया कि ओडिशा के गरीब परिवारों को तत्काल 5 लाख पक्के मकान दिए जाएंगे और हर पात्र परिवार को घर मिलेगा। इस अवसर पर बलांगीर में नए कृषि कॉलेज का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री व कृषि मंत्री कनक वर्धन सिंह देव, पंचायती राज एवं पेयजल मंत्री रवि नारायण नायक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मुकेश महालिंग, सांसद संगीता कुमारी सिंह देव सहित क्षेत्रीय विधायक नवीन कुमार जैन, लक्ष्मण बाग और रूपा मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चौहान ने आश्वस्त किया कि आवास के लिये अब सही सर्वे हो चुका है और कोई भी गरीब कच्ची झोपड़ी में नहीं रहेगा, सबको चरणबद्ध तरीके से पक्का मकान मिलेगा। साथ ही मकानों पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सब्सिडी देगी, जिससे बिजली का बिल शून्य होगा और अतिरिक्त बिजली बेचकर लोग कमाई भी कर सकेंगे।

शिवराज सिंह ने कहा कि सुभद्रा योजना के तहत सालाना 10 हजार रुपए मिलने से ओडिशा की बहनों का आत्मविश्वास और सम्मान बढ़ा है। उन्होंने खुशी जताई कि मुख्यमंत्री मोहन माझी के नेतृत्व में ओडिशा ने समय से एक साल पहले ही 27 लाख का लक्ष्य पार करते हुए 29 लाख बहनों को 'लखपति दीदी' बना दिया है। श्री चौहान ने बताया कि अगले पांच वर्षों में देशभर की बहनों को लखपति बनाने के लिए बैंकों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया जाएगा। इतना ही नहीं, अब केवल समूह को ही नहीं, बल्कि जो बहन अकेले भी अपना काम-धंधा या व्यापार शुरू करना चाहेगी, उसे भी बिना किसी परेशानी के लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

चौहान ने वचन दिया कि बलांगीर में शिलान्यास किए गए कृषि कॉलेज को आईसीएआर और भारत सरकार के सहयोग से हिंदुस्तान का सर्वश्रेष्ठ कृषि कॉलेज बनाया जाएगा, जहां देश के शीर्ष वैज्ञानिक किसानों की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा की खेती को आधुनिक बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर एक ठोस रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसके तहत ऐसी योजना लाई जा रही है, जिसमें किसान के खेत के ऊपर सोलर पैनल लगेंगे और नीचे फल-सब्जियों की खेती होगी, जिससे किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के छूटे हुए पात्र किसानों के नाम भी अब सूची में जोड़ दिए गए हैं।

ग्रामीण विकास का खाका खींचते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना के तहत इस वर्ष ओडिशा को करीब 4000 करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे प्रदेश की हर पंचायत को सालाना 25 से 50 लाख रुपये और पांच साल में छोटी पंचायत को 1 करोड़ तथा बड़ी पंचायत को 2 करोड़ रुपए तक विकास कार्यों के लिए मिलेंगे। इससे गांव में सड़क, नाली, स्कूल, पंचायत भवन से लेकर किसानों के खेतों तक सड़क और जल संरक्षण के लिए तालाब बनाए जा सकेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 1, 700 किलोमीटर सड़कों की स्वीकृति के बाद अब बचे हुए सभी गांवों को भी पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि ओडिशा में विकास का महायज्ञ चल रहा है।

तेलंगाना के गिग वर्कर्स के लिए राहुल ने किए कई बड़े ऐलान

वाई फाई फ्री जोन, 10 लाख हेल्थ इंश्योरेंस हर ट्रांजैक्शन का 1% सीधे खाते में पहुंचेंगे

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर की शुरुआत की

ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाले डिलीवरी बॉय और दूसरे गिग वर्कर्स के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ी पहल की है। अब इन कर्मचारियों को दुर्घटना होने पर 5 लाख रुपए तक का बीमा और बीमारी के इलाज के लिए 10 लाख रुपए तक का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा।

राज्य के हर शहर में इनके लिए वाई-फाई वाले आराम केंद्र भी बनाए जाएंगे। यहां डिलीवरी वर्कर्स अपना वाहन खड़ा कर सकेंगे और कुछ देर बैठकर आराम भी कर सकेंगे। इस योजना का ऐलान कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया। राहुल ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम की शुरुआत की। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी और उप मुख्यमंत्री भी थे।

5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा मिलेगा

राहुल ने कहा कि डिलीवरी का काम करने वाले लोग दिनभर सड़कों पर रहते हैं। तेलंगाना सरकार ने गिग वर्कर्स को 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा देने का ऐलान किया है।

आराम केंद्रों में बैठ सकेंगे डिलीवरी बॉय

राहुल ने कहा कि ये लोग शहरों में घंटों तक बाइक चलाते हैं और सामान पहुंचाते रहते हैं। उन्होंने ऐलान किया कि हर शहर में गिग वर्कर्स के लिए वाई-फाई वाले रेस्ट जोन बनाए जाएंगे।

मोबाइल पर दिखेगा कितनी कमाई हुई?

राहुल ने इस योजना की एक और खास बात बताई। उन्होंने कहा कि अब गिग वर्कर्स को अपने काम का पूरा डेटा देखने का अधिकार मिलेगा। आज बड़ी-बड़ी कंपनियां डेटा के आधार पर काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का गुजरात दौरा

प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, देवी दर्शन किया

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी के साथ बैठक करने के बाद राज्य से रवाना हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक के दौरान मोदी ने धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, साबरमती आश्रम के पुनर्विकास और 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों सहित कई प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री शुक्रवार अहमदाबाद पहुंचे थे और लोक भवन गए। वहीं रात में विश्राम भी किया। शनिवार को बनासकांठा जिले के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर गए।

डीके की प्रधानमंत्री से मांग पर भड़की कांग्रेस

टैगोर बोले- मेकेदातु बांध को कांग्रेस हर तरीके से रोकेगी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु



कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच पुराना विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। यह विवाद तब और बढ़ गया जब सीएम डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में मेकेदातु प्रोजेक्ट के लिए केंद्र से जल्द मंजूरियां देने की मांग कर दी। इस पर कांग्रेस में ही नाराजगी है।

डीके बोले- यह मेरा राज्य और मेरा अधिकार है

सीएम ने बाल दिवस पर कहा कि कर्नाटक को कावेरी पर बांध बनाने का अधिकार है। यह मेरा राज्य है और मेरा अधिकार भी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **अरुण, पुत्रः** विनोद, **पताः** मकान नं. एफ–120, मंगोल पुरी, नई दिल्ली **FIR No. 574/2022, U/s: 279/337/338 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरुण,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरुण,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अरुण, FIR No. 574/2022, U/s: 279/337/338 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
(केन्द्रीय) कमरा नंबर 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16452/N/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया हैं कि अभियुक्त नामः **दीपक, पुत्रः सतीश, निवासीः मकान नंबर 649, सैनी मोहल्ला, नांगलोई, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **e-FIR No.017511/2023 U/S 379/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना निहाल विहार, बाहरी दिल्ली जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **दीपक** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **e-FIR No.017511/2023 U/S 379/411/34 IPC, थाना निहाल विहार, बाहरी दिल्ली जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **19.12.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री श्रुति सारस्वत
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
(पश्चिम), कमरा संख्या 292,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16503/OD/2026
(अदालती मामला)

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ – 2026

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

उत्तर रेलवे नेटवर्क से यात्रा प्रारम्भ करने वाली/समाप्त करने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष रेल गाड़ी सं.	स्टेशन से		प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति/चलने के दिन		चलने की तिथि
04209	वाराणसी जं.	वाया लखनऊ (एनआर)	22:15	दिल्ली जं.	13:45	सप्ताह में तीन दिन	सोम, बुध, शुक्र	27.11.2026 तक
04210	दिल्ली जं.		18:50	वाराणसी जं.	09:50		मंगल, गुरु, शनि	28.11.2026 तक
04213	अयोध्या कैंट	वाया लखनऊ (एनआर)	18:20	आनंद विहार ट.	06:10	सप्ताह में दो दिन	रविवार, गुरुवार	29.11.2026 तक
04214	आनंद विहार ट.		09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोमवार, शुक्रवार	30.11.2026 तक
04227	वाराणसी जं.	वाया लखनऊ (एनआर)	11:05	चंडीगढ़ जं.	04:20	सप्ताह में दो दिन	गुरुवार, रविवार	29.11.2026 तक
04228	चंडीगढ़ जं.		06:00	वाराणसी जं.	00:55		शुक्रवार, सोमवार	30.11.2026 तक
03309	धनबाद		10:00	दिल्ली जं.	09:15	साप्ताहिक	शनिवार	28.11.2026 तक
03310	दिल्ली जं.		11:45	धनबाद	13:00		रविवार	29.11.2026 तक
03697	गया जं.		14:15	नई दिल्ली	12:05	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शनिवार	28.11.2026 तक
03698	नई दिल्ली		13:40	गया जं.	11:15		बुधवार, रविवार	29.11.2026 तक
03293	पटना जं.		21:00	आनंद विहार ट.	13:00	दैनिक	रवि, सोम, मंगल, बुध गुरु, शुक्र, शनि	21.11.2026 तक
03294	आनंद विहार ट.		15:50	पटना जं.	12:25			22.11.2026 तक
03009	हावड़ा जं.		23:55	आनंद विहार ट.	02:50	साप्ताहिक	सोमवार	30.11.2026 तक
03010	आनंद विहार ट.		05:15	हावड़ा जं.	10:50		बुधवार	02.12.2026 तक
05281	मुजफ्फरपुर जं.		06:30	आनंद विहार ट.	05:00	तिथिवार	बुधवार	18.11.2026 को
05282	आनंद विहार ट.		07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50		गुरुवार	19.11.2026 को
04058	आनंद विहार टर्मिनल		00:20	छपरा	19:20	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार मंगलवार	17.11.2026 तक
04057	छपरा		22:10	आनंद विहार टर्मिनल	17:20			
01903	आगरा कैंट		20:00	शहीद कैप्टन तुषार महाजन	12:20	साप्ताहिक	रविवार	29.11.2026 तक
01904	शहीद कैप्टन तुषार महाजन		16:05	आगरा कैंट	08:40		सोमवार	30.11.2026 तक
02563	बरौनी जं.		07:40	नई दिल्ली	05:10	प्रतिदिन	रवि, सोम, मंगल, बुध गुरु, शुक्र, शनि	30.11.2026 तक
02564	नई दिल्ली		17:55	बरौनी जं.	15:10			01.12.2026 तक
02569	दरभंगा जं.		06:30	नई दिल्ली	04:00	प्रतिदिन	रवि, सोम, मंगल, बुध गुरु, शुक्र, शनि	30.11.2026 तक
02570	नई दिल्ली		12:15	दरभंगा जं.	10:00			01.12.2026 तक
05579	पूर्णिया कोर्ट		16:30	आनंद विहार टर्मिनल	01:05	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, रविवार	29.11.2026 तक
05580	आनंद विहार टर्मिनल		05:15	पूर्णिया कोर्ट	13:45		रविवार, मंगलवार	01.12.2026 तक
05575	सहरसा जं.		20:00	आनंद विहार टर्मिनल	01:05	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
05576	आनंद विहार टर्मिनल		05:15	सहरसा जं.	10:30		गुरुवार	26.11.2026 तक
02397	शेखपुरा जं.		11:30	आनंद विहार टर्मिनल	11:40	साप्ताहिक	रविवार	29.11.2026 तक
02398	आनंद विहार टर्मिनल		13:30	शेखपुरा जं.	14:45		सोमवार	30.11.2026 तक
03639	धनबाद जं.		18:30	शकूर बस्ती	18:40	सप्ताह में दो दिन	सोमवार, शुक्रवार	30.11.2026 तक
03640	शकूर बस्ती		21:10	धनबाद जं.	23:45		मंगलवार, शनिवार	01.12.2026 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.		13:30	आनंद विहार टर्मिनल	10:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.11.2026 तक
05220	आनंद विहार टर्मिनल		12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		शनिवार	28.11.2026 तक
05193	छपरा जं.		14:00	पठानकोट	22:15	साप्ताहिक	सोमवार	23.11.2026 तक
05194	पठानकोट		00:30	छपरा जं.	09:15		बुधवार	25.11.2026 तक
02417	प्रयागराज जं.		21:00	शकूर बस्ती	10:05	सप्ताह में चार दिन	रवि, सोम, गुरु, शुक्र	14.12.2026 तक
02418	शकूर बस्ती		21:30	प्रयागराज जं.	09:15		बुध, गुरु, शनि, रवि	17.12.2026 तक
04163	नारायणपुर बाजार		18:00	शकूर बस्ती	10:05	सप्ताह में तीन दिन	मंगल, बुध, शनि	16.12.2026 तक
04164	शकूर बस्ती		21:30	नारायणपुर बाजार	12:25		सोम, मंगल, शुक्र	15.12.2026 तक
03257	दानापुर		07:30	आनंद विहार टर्मिनल	00:30	साप्ताहिक	रविवार	29.11.2026 तक
03258	आनंद विहार टर्मिनल		05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	30.11.2026 तक
05301	मऊ जं.		04:40	अंबाला कैंट जं.	03:55	साप्ताहिक	गुरुवार	26.11.2026 तक
05302	अंबाला कैंट जं.		05:45	मऊ जं.	04:30		शुक्रवार	27.11.2026 तक
05085	छपरा जं.		13:05	आनंद विहार टर्मिनल	09:40	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
05086	आनंद विहार टर्मिनल		10:50	छपरा जं.	07:00		बुधवार	25.11.2026 तक
03435	मालदा टाउन		09:30	आनंद विहार टर्मिनल	13:40	साप्ताहिक	सोमवार	30.11.2026 तक
03436	आनंद विहार टर्मिनल		14:50	मालदा टाउन	22:30		मंगलवार	01.12.2026 तक
02877	रांची जं.		16:25	आनंद विहार टर्मिनल	18:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.11.2026 तक
02878	आनंद विहार टर्मिनल		19:30	रांची जं.	19:10		रविवार	29.11.2026 तक
04123	प्रयागराज जं.		14:50	हज़रत निज़ामुद्दीन	11:35	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, रविवार	29.11.2026 तक
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन		15:45	प्रयागराज जं.	09:10		गुरुवार, सोमवार	30.11.2026 तक
05101	गोरखपुर जं.		16:00	शकूर बस्ती	11:05	साप्ताहिक	रविवार	29.11.2026 तक
05102	शकूर बस्ती		13:15	गोरखपुर जं.	08:30		सोमवार	30.11.2026 तक
03107	कोलकाता		23:50	आलमनगर	19:45	साप्ताहिक	गुरुवार	26.11.2026 तक
03108	आलमनगर		01:45	कोलकाता	22:30		शनिवार	28.11.2026 तक
04183	प्रयागराज जं.		15:25	हज़रत निज़ामुद्दीन	11:35	साप्ताहिक	मंगलवार	01.12.2026 तक
04184	हज़रत निज़ामुद्दीन		15:45	प्रयागराज जं.	09:10		बुधवार	02.12.2026 तक
03437	मालदा टाउन		10:00	हरिद्वार जं.	17:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.11.2026 तक
03438	हरिद्वार जं.		18:35	मालदा टाउन	23:55		रविवार	29.11.2026 तक
01705	जबलपुर जं.		19:40	अयोध्या धाम जं.	11:25	साप्ताहिक	मंगलवार	29.12.2026 तक
01706	अयोध्या धाम जं.		13:30	जबलपुर जं.	06:45		बुधवार	30.12.2026 तक
09309	इंदौर जं.		17:00	हज़रत निज़ामुद्दीन	05:00	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, रविवार	27.11.2026 तक
09310	हज़रत निज़ामुद्दीन		08:20	इंदौर जं.	21:00		शनिवार, सोमवार	28.11.2026 तक
09257	भावनगर टर्मिनस		14:20	शकूर बस्ती	10:55	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.11.2026 तक
09258	शकूर बस्ती		13:15	भावनगर टर्मिनस	08:50		शनिवार	28.11.2026 तक
09203	वेरावल जं.		16:05	हरिद्वार जं.	20:40	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
09204	हरिद्वार जं.		21:30	वेरावल जं.	09:45		बुधवार	25.11.2026 तक
09523	ओखा		10:20	शकूर बस्ती	10:35	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
09524	शकूर बस्ती		13:15	ओखा	13:00		बुधवार	25.11.2026 तक
09425	साबरमती बीजी		18:45	हरिद्वार जं.	20:30	साप्ताहिक	सोमवार	23.11.2026 तक
09426	हरिद्वार जं.		21:45	साबरमती बीजी	22:30		मंगलवार	24.11.2026 तक
04811	बाड़मेर		04:15	हरिद्वार जं.	04:10	सप्ताह में दो दिन	सोमवार, गुरुवार	30.11.2026 तक
04812	हरिद्वार जं.		05:15	बाड़मेर	06:35		मंगलवार, शुक्रवार	01.12.2026 तक
09611	अजमेर जं.		19:45	योग नगरी ऋषिकेश	12:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.11.2026 तक
09612	योग नगरी ऋषिकेश		17:55	अजमेर जं.	09:55		गुरुवार	26.11.2026 तक
09639	मदार जं.		04:30	रोहतक जं.	12:50	प्रतिदिन	रवि, सोम, मंगल बुध गुरु, शुक्र, शनि	30.11.2026 तक
09640	रोहतक जं.		13:20	मदार जं.	22:35			30.11.2026 तक
09609	उदयपुर सिटी		13:45	योग नगरी ऋषिकेश	10:15	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
09610	योग नगरी ऋषिकेश		17:55	उदयपुर सिटी	15:30		बुधवार	25.11.2026 तक
01703	जबलपुर जं.		15:30	हरिद्वार जं.	14:20	साप्ताहिक	गुरुवार	19.11.2026 तक
01704	हरिद्वार जं.		15:10	जबलपुर जं.	16:20		शुक्रवार	20.11.2026 तक
09097	उधना जं.		06:45	अयोध्या कैंट	11:30	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
09098	अयोध्या कैंट		13:30	उधना जं.	17:30		बुधवार	25.11.2026 तक
02456	नई दिल्ली		07:45	कानपुर सेंट्रल	13:15	सप्ताह में चार दिन	सोम, बुध, शुक्र, शनि	30.11.2026 तक
02455	कानपुर सेंट्रल		15:00	नई दिल्ली	20:20		सोम, बुध, शुक्र, शनि	30.11.2026 तक
02458	आनंद विहार टर्मिनल		07:20	कानपुर सेंट्रल	13:15	सप्ताह में तीन दिन	मंगल, गुरु, रवि	29.11.2026 तक
02457	कानपुर सेंट्रल		15:00	आनंद विहार टर्मिनल	20:10		मंगल, गुरु, रवि	29.11.2026 तक
05005	बढ़नी		15:10	जालंधर सिटी जं.	08:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.11.2026 तक
05006	जालंधर सिटी जं.		10:50	बढ़नी	04:45		गुरुवार	26.11.2026 तक
01483	खडकी		17:30	हज़रत निज़ामुद्दीन	18:10	सप्ताह में दो दिन	मंगलवार, शुक्रवार	20.11.2026 तक
01484	हज़रत निज़ामुद्दीन		22:10	खडकी	22:15		बुधवार, शनिवार	21.11.2026 तक
07621	हजूर साहिब नांदेड़		08:45	हज़रत निज़ामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.11.2026 तक
07622	हज़रत निज़ामुद्दीन		21:40	हजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.11.2026 तक
07021	चर्लपल्ली		19:20	हज़रत निज़ामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	सोमवार	30.11.2026 तक
07022	हज़रत निज़ामुद्दीन		04:00	चर्लपल्ली	13:50		बुधवार	02.12.2026 तक
07023	चर्लपल्ली		19:45	हज़रत निज़ामुद्दीन	05:00	साप्ताहिक	मंगलवार	24.11.2026 तक
07024	हज़रत निज़ामुद्दीन		07:15	चर्लपल्ली	17:45		गुरुवार	26.11.2026 तक
09617	उदयपुर सिटी		21:15	दिल्ली सराय रोहिल्ला	11:15	साप्ताहिक	बुधवार	25.11.2026 तक
09618	दिल्ली सराय रोहिल्ला		13:45	उदयपुर सिटी	04:00		गुरुवार	26.11.2026 तक
01045	लोकमान्य तिलक टर्मिनस		07:35	अयोध्या कैंट	10:15	सप्ताह में दो दिन	सोमवार, शुक्रवार	27.11.2026 तक
01046	अयोध्या कैंट		13:50	लोकमान्य तिलक टर्मिनस	17:15		मंगलवार, शनिवार	28.11.2026 तक
01913	खजुराहो		22:15	हज़रत निज़ामुद्दीन	11:00	सप्ताह में तीन दिन	सोम, बुध, शनि	18.11.2026 तक
01914	हज़रत निज़ामुद्दीन		12:30	खजुराहो	03:30		मंगल, गुरु, रवि	19.11.2026 तक
06073	तिरुवनंतपुरम नॉर्थ		14:00	हज़रत निज़ामुद्दीन	23:50	साप्ताहिक	सोमवार	16.11.2026 तक
06074	हज़रत निज़ामुद्दीन		05:45	तिरुवनंतपुरम नॉर्थ	16:30		गुरुवार	19.11.2026 तक
01708	हज़रत निज़ामुद्दीन		15:45	जबलपुर जं.	09:30	साप्ताहिक	तिथिवार	15.11.2026 को

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
पर हमे फॉलो करे

हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।



कर्ज चुकाने में आगे, फिर भी महिला उद्यमियों को ऋण मिलने में बाधाएं

- महिलाओं के कारोबार ऋण में 2017 से 7.5 गुना वृद्धि
- कर्ज चुकाने का रिकॉर्ड भी बेहतर; इसके बावजूद केवल 4% महिला कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट सुविधा
- संपत्ति के दस्तावेज व डिजिटल पहुंच की कमी रुकावट

कर्ज-असमानता
बिजनेस डेस्क

महिलाएं कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। ऋण लेने के बाद उसे समय पर चुकाने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल महिलाओं की आर्थिक क्षमता या ऋण चुकाने की योग्यता की नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था और कर्ज आकलन की प्रक्रिया में मौजूद संरचनात्मक बाधाओं की भी है। नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल संस्थागत ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। महिला कारोबारियों का ऋण पोर्टफोलियो 2017 के मुकाबले 7.5 गुना बढ़ा है। इसके बावजूद कारोबार के नाम पर ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या सीमित बनी हुई है।

बेहतर भुगतान का रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में ऋण लेने वाली महिलाओं के ऐसे कर्ज की चूक दर, जिनकी किस्त 90 दिन या उससे अधिक समय से बकाया थी, कुल औसत चूक दर की तुलना में केवल 0.7 गुना रही। इसका अर्थ है कि महिला कर्जदारों का भुगतान रिकॉर्ड तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को बड़े ऋण और कारोबार चलाने के लिए जरूरी कार्यशील पूंजी हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई महिलाएं अपने कारोबार के लिए व्यक्तिगत ऋण, सूक्ष्म वित्त और मुद्रा योजना पर निर्भर हैं। इनसे छोटे स्तर पर कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है, लेकिन कारोबार का विस्तार करने के लिए अधिक राशि, लचीली ऋण सुविधा और नियमित कार्यशील पूंजी की जरूरत होती है। यहां महिलाओं की पहुंच सीमित दिखाई देती है। इस अंतर का एक उदाहरण ओवरड्राफ्ट सुविधा है। अप्रैल 2026 तक केवल लगभग 4 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट की सुविधा थी, जबकि सभी कारोबारों में यह अनुपात करीब 40 प्रतिशत था।

संपत्ति और दस्तावेजों की कमी बन रही बाधा

बैंक आमतौर पर ऋण देने से पहले संपत्ति, आय, वित्तीय रिकॉर्ड और कारोबार की स्थिति का आकलन करते हैं। महिलाओं के मामले में इन मानकों पर कई व्यावहारिक मुश्किलें सामने आती हैं। परिवार की संपत्ति अक्सर पुरुष सदस्यों के नाम पर होती है। ऐसे में महिला उद्यमी के पास कारोबार के लिए गिरवी रखने योग्य संपत्ति नहीं होती। इसके अलावा कई महिला संचालित कारोबार अनौपचारिक रूप से चलते हैं, जहां नियमित लेखा-जोखा, ऑडिट और आय से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते।

डिजिटल रिकॉर्ड से खुल सकते हैं नए रास्ते

अब ऋण देने की प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय रिकॉर्ड की भूमिका बढ़ रही है। मार्च 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने के लिए डिजिटल आकलन की व्यवस्था शुरू की गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर रिटर्न, आयकर रिटर्न और बैंक विवरण जैसे आंकड़ों के आधार पर कारोबार की वित्तीय स्थिति समझने में मदद मिलती है। इससे पारंपरिक संपत्ति आधारित आकलन के विकल्प तैयार हो सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी संस्थाएं भी आंकड़ों पर आधारित ऋण आकलन को बढ़ावा दे रही हैं। किनारा कैपिटल की 'हर विकास' जैसी पहल इसी दिशा में काम कर रही है। हालांकि, डिजिटल व्यवस्था अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋणों की संख्या के लिहाज से महिलाओं को केवल 19.8 प्रतिशत ऋण मिले, जबकि कुल संस्थागत ऋण में उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

मोबाइल इंटरनेट की कमी भी बन रही चुनौती

डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के लिए मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी है। जीएसएमए के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 75 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल 37 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। स्मार्टफोन, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण महिलाओं के वित्तीय लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड भी अधूरा रह जाता है। ऐसे में बैंक और ऋण देने वाली संस्थाएं यदि केवल डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कर्ज की पात्रता तय करती हैं तो महिलाओं के सामने नई बाधा खड़ी हो सकती है। इसके लिए ऋण आवेदन, वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाना होगा।

कर्ज के साथ कारोबार पर नियंत्रण भी जरूरी

महिला उद्यमियों के वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल उनके नाम पर ऋण स्वीकृत करना नहीं है। कई बार कर्ज महिला के नाम पर लिया जाता है, लेकिन उसका इस्तेमाल और कारोबार से जुड़े फैसले परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। ऐसी स्थिति में ऋण चुकाने की जिम्मेदारी महिला पर रहती है, जबकि धन के इस्तेमाल पर उसका वास्तविक नियंत्रण नहीं होता। इसलिए बैंकों, सरकार और वित्तीय संस्थाओं को महिला उद्यमियों के नाम पर अलग कारोबारी बैंक खाते, व्यक्तिगत यूपीआई पहचान और नियमित वित्तीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संयुक्त संपत्ति के दस्तावेजों को भी पात्र परिस्थितियों में गिरवी के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा सकता है।

टैक्स बचाने को ईएलएसएस फंड सही निवेश से पहले जान लें नफा नुकसान

- पुरानी टैक्स व्यवस्था में 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ
- तीन साल का लॉक-इन; शेयर बाजार में निवेश होने से रिटर्न की गारंटी नहीं
- पांच से सात साल का नजरिया रखना बेहतर

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के साथ निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे लोगों के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें निवेश करने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80सी के अंतर्गत कटौती का लाभ मिल सकता है। साथ ही, इसमें तीन साल का लॉक-इन होता है, जो कई दूसरी टैक्स बचत योजनाओं की तुलना में कम है। हालांकि, केवल टैक्स बचाने के उद्देश्य से ईएलएसएस में पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। निवेश से पहले इसके बाजार जोखिम, लॉक-इन और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निवेश की गई राशि पर पुरानी टैक्स व्यवस्था में सालाना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। लेकिन यह सीमा केवल ईएलएसएसके लिए अलग से नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), जीवन बीमा प्रीमियम और धारा 80सी के तहत आने वाले अन्य पात्र निवेश भी इसी सीमा में शामिल होते हैं। इसलिए यदि किसी व्यक्ति ने इन माध्यमों से पहले ही 1.5 लाख रुपये की सीमा का इस्तेमाल कर लिया है तो ईएलएसएस में अतिरिक्त निवेश करने से 80सी के तहत अलग से टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले अधिकांश करदाताओं को धारा 80सी की कटौती का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि आप किस टैक्स व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल कर रहे हैं और पुरानी व्यवस्था में 80सी की कितनी सीमा पहले ही इस्तेमाल हो चुकी है। टैक्स बचत की गणना किए बिना केवल फंड की लोकप्रियता देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है।



3 वर्ष का लॉक-इन, लेकिन मुनाफे की गारंटी नहीं

ईएलएसएस फंड में प्रत्येक निवेश की राशि पर तीन साल का लॉक-इन लागू होता है। यानी जिस तारीख को निवेश किया गया है, उस निवेश की यूनिट तीन साल पूरे होने से पहले नहीं निकाली जा सकती। एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को यह बात विशेष रूप से समझनी चाहिए। हर किस्त का लॉक-इन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए, जनवरी में लगाई गई किस्त तीन साल बाद जनवरी में निकासी के योग्य होगी, जबकि फरवरी की किस्त का लॉक-इन अगले महीने पूरा होगा। पीपीएफ में निवेश की अवधि 15 साल और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में पांच साल होती है। इसकी तुलना में ईएलएसएस का तीन साल का लॉक-इन कम है। यही वजह है कि टैक्स बचाने के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहने वाले लोगों के बीच यह लोकप्रिय विकल्प है। लेकिन तीन साल बाद पैसा निकालने की सुविधा का अर्थ यह नहीं है कि तीन साल में अच्छा रिटर्न मिलना तय है।

शेयर बाजार का जोखिम समझना जरूरी : ईएलएसएस एक इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड श्रेणी है। इसमें निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में लगाया जाता है। बाजार में तेजी आने पर फंड का मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन गिरावट के समय निवेश की कीमत घटने का जोखिम भी रहता है। इसलिए इसे निश्चित ब्याज देने वाली बैंक एफडी या छोटी बचत योजनाओं के समान नहीं समझना चाहिए। यदि किसी निवेशक को अगले दो-तीन साल में घर खरीदना है, बच्चों की फीस चुकानी है या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए रकम चाहिए तो केवल टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस में निवेश करना उचित नहीं होगा। इस फंड को कम से कम पांच से सात साल या उससे अधिक की निवेश अवधि को ध्यान में रखकर देखना बेहतर है।

नवंबर 2026 के लिए छह ईएलएसएस फंडों पर नजर

- केनरा रोबेको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- मिराए एसेट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- इनवेस्को इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

फंड चुनते समय किन बातों की करें जांच

ईएलएसएस फंड चुनते समय केवल पिछले एक या तीन साल का रिटर्न देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांचना चाहिए कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया है। क्या उसने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है? बाजार में गिरावट के दौरान उसमें कितनी कमी आई? जोखिम के अनुपात में कितना अतिरिक्त रिटर्न मिला? इन सवालों के जवाब निवेश का फैसला लेने में मदद कर सकते हैं। फंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रोलिंग रिटर्न, प्रदर्शन की निरंतरता और गिरावट के दौरान हुए नुकसान जैसे पैमानों को देखना उपयोगी है। अंततः ईएलएसएस में निवेश का फैसला केवल टैक्स बचत के आधार पर नहीं होना चाहिए। पहले अपनी टैक्स व्यवस्था और 80सी की उपलब्ध सीमा देखें। फिर निवेश की अवधि, बाजार जोखिम और जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता पर विचार करें। टैक्स बचत के साथ संपत्ति बनाने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब निवेश सही योजना, पर्याप्त अवधि और जोखिम को समझकर किया जाए।

अगले साल के लिए नजर रखें इन फ्लेक्सी कैप फंड पर



- बाजार की अनिश्चितता के बीच बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश की आजादी
- तीन साल के प्रदर्शन, जोखिम और रिटर्न के आधार पर तीन योजनाएं चर्चा में

सुझाव
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करते समय केवल तेजी दिखाने वाले शेयरों या फंड के पीछे भागना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बाजार में ऊंचे मूल्यांकन, अलग-अलग कंपनियों और क्षेत्रों के प्रदर्शन में अंतर, वैश्विक अनिश्चितताएं और उतार-चढ़ाव निवेशकों के सामने चुनौती बने हुए हैं। ऐसे माहौल में निवेश का विविधीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है। म्यूचुअल फंड की फ्लेक्सी कैप श्रेणी इसी जरूरत को पूरा करने का विकल्प देती है। फ्लेक्सी कैप फंड को बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है। फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों, कंपनियों के मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार इन तीनों श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे किसी एक बाजार श्रेणी पर निर्भरता कम करने और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशने की गुंजाइश मिलती है। इक्विटीमास्टर की 7 नवंबर 2026 की रिपोर्ट में तीन ऐसे फ्लेक्सी कैप फंड का उल्लेख किया गया है, जिन्हें 2027 के लिए निगरानी सूची में रखा जा सकता है।

1. व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 2022 में शुरू हुआ व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन तीन साल के प्रदर्शन में इसने अपनी श्रेणी और बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न दिया है। फंड का निवेश दृष्टिकोण कंपनियों के चयन पर आधारित है। यह किसी एक क्षेत्र या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग उद्योगों और बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करता है। पिछले तीन वर्षों में फंड ने 14.36 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इस अवधि में श्रेणी का औसत रिटर्न 12.39 प्रतिशत था। जोखिम के लिहाज से भी इसके आंकड़े उल्लेखनीय हैं। फंड का मानक विचलन 13.83 रहा, जबकि श्रेणी का औसत 14.39 था। शार्प अनुपात 0.18 और सॉर्टिनो अनुपात 0.33 रहा। दोनों आंकड़े श्रेणी के औसत से बेहतर हैं। सितंबर 2026 तक इस फंड का प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति आकार (एयूएम) करीब 9,300 करोड़ रुपये था। फंड के पोर्टफोलियो में 155 शेयर शामिल थे। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में थे। इसका लगभग 50-54 प्रतिशत निवेश बड़े शेयरों में, 6-9 प्रतिशत मझोली कंपनियों में और 22-29 प्रतिशत छोटी कंपनियों में रहा। इसका पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है।

2. आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 1998 में शुरू हुआ आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी की पुरानी योजनाओं में शामिल है। पहले यह आदित्य बिड़ला एसएल इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। यह मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों में निवेश करता है, लेकिन बेहतर विकास संभावनाओं के लिए मझोली और छोटी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखता है। इसकी निवेश रणनीति ऐसी कंपनियों की पहचान पर केंद्रित है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही हो, लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा हो और पूंजी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने 15.48 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत और श्रेणी का औसत 12.39 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 13.17 था, जो बेंचमार्क और श्रेणी औसत से कम है। शार्प अनुपात 0.20 और सॉर्टिनो अनुपात 0.38 रहा। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 28,000 करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में लगभग 85 शेयर थे। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। फंड का कारोबार अनुपात 20-30 प्रतिशत के आसपास रहा, जो अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने की रणनीति को दर्शाता है। पिछले एक साल में इसका 55-67 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा।



3. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की पुरानी योजनाओं में से एक है। इसकी शुरुआत जनवरी 1995 में एचडीएफसी इक्विटी फंड के नाम से हुई थी। यह फंड बाजार मूल्यांकन और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदलता है, हालांकि इसका झुकाव आमतौर पर बड़ी कंपनियों की ओर रहता है। फंड की रणनीति मजबूत कारोबारी आधार और लंबी अवधि में विकास की संभावना वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इसने 16.19 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 12.37 था, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। शार्प अनुपात 0.22 और सॉर्टिनो अनुपात 0.40 रहा। ये आंकड़े इसकी जोखिम-समायोजित प्रदर्शन क्षमता को दर्शाते हैं। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में आमतौर पर 45-55 शेयर रहते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। इसका करीब 70-75 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश का बड़ा फायदा यह है कि फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश बदल सकते हैं।

अंडर-19 एशिया कप : पाकिस्तान को हरा कर भारत 9वीं बार चैंपियन, मनाल-मोहित ने पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶| अल अमेरत

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और नौंवी बार खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।

अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।



मोहित ने लास्ट गेंद पर लगाया विजयी चौका

9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए। मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया।

उस्मान खान ने लगाया शतक

इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उस्मान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की बड़ी साझेदारी की। अब्दुल कादिर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, उस्मान खान ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 107 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली और 4 चौके तथा 3 छक्के लगाए। भारत की ओर से काव्या पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को 1 विकेट मिला।

खबर संक्षेप



सैफ चैंपियनशिप : भूटान को हराकर फाइनल में भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत ने पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया। भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की। ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। यह मुकाबला सैफ चैंपियनशिप के इतिहास में वीएआर प्रणाली के पदार्पण का भी गवाह बना।

एशियाई कप : भारत ने गुआम को 12-0 से हराया



कुआलालंपुर। भारतीय टीम ने राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुआन गंगटे की हैट्रिक की बदौलत एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप मुकाबले में गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। ग्रुप ई के इस मुकाबले में वाहेंगबाम ने चार गोल दागे। उन्होंने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल किए। वहीं, गंगटे ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत के लिए अन्य गोल लियो थोंगबाम (पांचवां मिनट), ऋषिकेश मानवथी (20वां मिनट), डेविड मंगांग इरोम (53वां मिनट), फेलिक्स मीतई सैखोम (56वां मिनट) और रिस्टिक मैती (87वां मिनट) ने किए।

कोलंबो में 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत

कोलंबो। लड़कों और लड़कियों की टीमें मिलकर एक ही मैच के नतीजे में योगदान देंगी। क्रिकेट के इस नए मिश्रित प्रारुप 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत हुई। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल आर्नोल्ड और भारत के जाने-माने कोच राजकुमार शर्मा मौजूद थे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज

मैच का समय भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे

स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, दांव पर सीरीज

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

भारतीय बल्लेबाज रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से श्रृंखला का नतीजा भी तय होगा।

भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीरीज में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रोहित, अय्यर

पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर 5 मैच की इस श्रृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा। हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारुप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवतः अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है।



न्यूजीलैंड के सामने करो या मरो का मुकाबला

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के सामने श्रृंखला बराबर करने के लिए एक और करो या मरो का मुकाबला है। चौथे एकदिवसीय में अर्धशतक जड़कर सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अपने करियर को नई दिशा दी होगी जबकि स्लिप में दो बार कैच छूटने के बाद विल यंग ने शानदार शतक जड़ा। भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में सलामी बल्लेबाजों को हावी होने से रोकना होगा।

सात वर्षों में अपनी धरती पर सीरीज नहीं हारा न्यूजीलैंड

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले ब्रेट रैंडेल को बे ओवल में खेलने का मौका मिलता है। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई श्रृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

जल्दी आउट होना चिंता का विषय : गंभीर

गंभीर ने कहा, 'ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी। बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए। हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'



गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर : अय्यर

कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर 9 रन कर दिया था जबकि भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन रन भी लुटाए। श्रृंखला का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे।

वैभव ने बनाया नया कीर्तिमान

15 साल की उम्र में कप्तानी का ताज



एजेंसी ▶▶| इंदौर

किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कप्तानी करते हुए पुरुष टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया। सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। बिहार की टीम ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए युवा खिलाड़ी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस मुकाबले में सूर्यवंशी बल्ले से खास योगदान नहीं दे सके। उन्होंने 12 गेंद में 18 रन बनाए और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे।

दलीप ट्रॉफी में संभाली थी पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तानी: होलकर स्टेडियम में टॉस जीतकर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। यह नियुक्ति इस युवा खिलाड़ी के तेजी से बढ़ते करियर में एक और उपलब्धि है। उन्होंने महज 5 महीने पहले भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्हें 2026-27 दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया था। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टी20 दौरे पर था, जहां उन्होंने दो मैच खेले और 49 रन बनाए। इस श्रृंखला में उनका 19 गेंद में 45 रन का योगदान खास रहा था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने हरियाणा को 4 विकेट से दी मात

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के ग्रुप चरण मुकाबले में शनिवार को इंदौर के डेली कॉलेज ग्राउंड पर पंजाब ने हरियाणा को 4 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 190 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। हरियाणा की शुरुआत धीमी रही, लेकिन मध्यक्रम में दिनेश बाना ने महज 20 गेंदों पर पांच छक्कों की मदद से 42 रनों की तूफानी पारी खेली। अंत के ओवरों में राहुल तेवतिया (नाबाद 35 रन, 20 गेंद), सामंत जाखड़ (24 रन) और सुमित कुमार (नाबाद 20 रन) ने तेजी से रन जुटाए। पंजाब की ओर से हरप्रीत बरार ने सर्वाधिक दो विकेट चटकाए। 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम को ओपनर विहान मल्होत्रा और प्रभसिमरन सिंह (22 रन) ने तेज शुरुआत दिलाई। विहान ने 50 गेंदों में 8 चौकों और

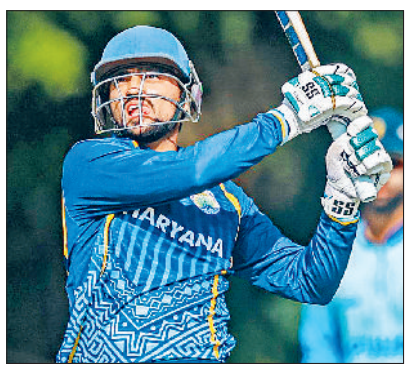

5 छक्कों की मदद से शानदार 86 रन बनाए। बीच के ओवरों में हरियाणा के गेंदबाज सुमित कुमार (3 विकेट) और अनुज ठकराल (2 विकेट) ने वापसी की कोशिश की, लेकिन उदय सहारन (नाबाद 42 रन, 18 गेंद) और सनवीर सिंह (21 रन) की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी ने पंजाब को 19.1 ओवर में 193/6 के स्कोर तक पहुंचाकर जीत दिला दी।

नेशन्स लीग : नीदरलैंड ने यूनान को 7-0 से हराया, रेनडर्स ने लगाई हैट्रिक



एजेंसी ▶▶| एम्सटर्डम

नीदरलैंड ने यूएफा नेशंस लीग फुटबॉल मुकाबले में यूनान को 7-0 से करारी शिकस्त देकर नए कोच जावी के मार्गदर्शन में अपना अजेय अभियान जारी रखा जबकि जुर्गेन क्लॉप की जर्मनी की टीम ने सर्बिया को 3-1 से हराया। इन नतीजों से अब ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहने के लिए दोनों दिग्गज कोच की टीमों के बीच निर्णायक मुकाबले का मंच तैयार हो गया है। खेले गए मुकाबले में नीदरलैंड की शानदार जीत में तिजानी रेनडर्स ने हैट्रिक लगाई जबकि ज्यूरियन टिम्बर ने दो गोल दागे। क्रिसेंसियो समरविल ने छठे मिनट में गोल करके नीदरलैंड का खाता खोला। इसके बाद रेनडर्स ने 21 मिनट के भीतर तीन गोल दागे। टिम्बर ने दो और गोल किए जबकि डॉनील मैलेन ने सातवां गोल करके टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। ग्रुप ए2 में शीर्ष पर काबिज नीदरलैंड से जर्मनी तीन अंक पीछे है। दोनों टीम सोमवार को बर्लिन में आमने-सामने होंगी।

हरियाणा ने उत्तराखंड को 8 विकेट से हराया

रोहतक। महिला क्रिकेट में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। शनिवार को खेले गए महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी एलीट के मुकाबले में हरियाणा की खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और टीम प्रदर्शन के दम पर जीत अपने नाम की। मंगलापुरम स्थित केरल क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में उत्तराखंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उत्तराखंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाए और हरियाणा के सामने 161 रनों का लक्ष्य रखा। उत्तराखंड की ओर से करीना सिंह ने 52 रन की पारी खेली। गौरिका और त्रिवेणी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम ने शुरुआत से ही सकारात्मक रुख अपनाया। टीम की बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए उत्तराखंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। हरियाणा ने 19.2 ओवर में महज 2 विकेट खोकर 161 रन बना लिए और मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया। हरियाणा की ओर से त्रिवेणी ने 63 और तनिषा ओहल्यान ने नाबद 53 रन की शानदार पारी खेली।

Presiding Officer : भूपेन्द्र तिवारी
नौवें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड, इन्दौर (म.प्र.)
आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु
RCS A 35/2026
सुनील खत्री V/s सान्या माखिजा
पेशी दिनांक : 14.12.2026

प्रेषिती :
इंडिया बुल्स एसेट्स रीकंस्ट्रक्शन कंपनी इंडिया लिमिटेड
पता: **1.** इंडिया बुल्स फायनेंस सेंटर टॉवर 1, 9वीं मंजिल, सेनापति बापट मार्ग, एल्फिंस्टन रोड, मुंबई-400013
2. 448-451, उपयोग विहार फेस 5, गुरूग्राम-122016

यह कि वादी सुनील खत्री ने आपके विरूद्ध वाद पत्र अंतर्गत आदेश 7 नियम 1 व्य.प्र.सं. के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए समन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एकपक्षीय सुनवाई कर उसका निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज दिनांक 14.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

भूपेन्द्र तिवारी
नौवें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड, इन्दौर (मध्यप्रदेश)

कुमामोतो मास्टर्स : अल्वी फरहान को तीन गेम में हराया

लक्ष्य ने लगातार दूसरी बार फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| कुमामोतो

लक्ष्य सेन ने कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई।

दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने छठे वरीय फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य की हांगझोउ में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। आठवें वरीय लक्ष्य फिलहाल बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 64,980 अंकों के साथ 12वें स्थान पर हैं। सत्र के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। फाइनल में उनका सामना जापान के कोकी वातानाबे और दूसरे वरीय थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।



मुकाबला आसान हो गया : लक्ष्य

लक्ष्य ने कहा कि निर्णायक गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने से उनके लिए मुकाबला आसान हो गया। उन्होंने कहा, 'तीसरे गेम में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखना महत्वपूर्ण था। जब स्कोर 11-6 हो गया तो कोर्ट बदलने के बाद के अगले तीन अंक बेहद अहम थे।'

विश्व टूर रैंकिंग के शीर्ष 8 में पहुंचने की संभावना

सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब जीतने पर लक्ष्य को 9,200 अंक मिलेंगे जबकि उपविजेता रहने पर उन्हें 7,800 अंक हासिल होंगे। दोनों ही परिणाम उन्हें बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में पहुंचा सकते हैं। हालांकि हांगकांग ओपन सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट अभी बाकी हैं, जिससे रैंकिंग में बदलाव की संभावना बनी रहेगी। लक्ष्य इससे पहले फरहान के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले हार चुके थे और इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ एक भी गेम नहीं जीत पाए थे। लेकिन शनिवार को उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पिछली हार का हिसाब बराबर कर दिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)/
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अर्थ स्क्वायर डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक असलम के अधिकृत हस्ताक्षर। कार्यालय पहले 301, तीसरी मंजिल पर था, अब दूसरी मंजिल, NDM 1, NSP, पीतमपुरा, दिल्ली में स्थानांतरित हो गया है। ने सीसी एनआई एक्ट 658/21 के तहत** थानाः प्रेम नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **असलम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **असलम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी एनआई एक्ट 658/21 के तहत थाना प्रेम नगर, नई दिल्ली के उक्त असलम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रितिका जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं.105, नॉर्थ वेस्ट
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/16543/RD/2026



राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में किया गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण

भारत की यात्रा पर बेल्जियम के नौसेनाप्रमुख, मजबूत होंगे द्विपक्षीय और सामरिक संबंध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सैन्य संघर्षों की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताजनक बने हुए हालात के मध्य भारत और बेल्जियम की नौसेनाएं अपने द्विपक्षीय तथा सैन्य-सामरिक संबंधों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने के इच्छुक हैं। इसी उद्देश्य के साथ उच्च-स्तरीय बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर-पश्चिमी यूरोप के देश बेल्जियम के नौसेनाप्रमुख रियर एडमिरल टैंगी बोटमैन भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।



शनिवार को उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर जाकर देश के अमर शहीदों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित की और उसके ठीक बाद साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में परंपरागत गार्ड ऑफ आर्नर का निरीक्षण किया। इस दौरान भारत के नौसेनाप्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने उनका स्वागत किया।

सहयोग के नए अवसरों के द्वार खुलेंगे

इसमें कोई दोराय नहीं है कि दोनों देश दीर्घकालिक समुद्री संबंधों को लेकर आपस में जुड़े हुए हैं। ऐसे में अब हो रहा रियर एडमिरल बोटमैन का यह दौरा भारत, बेल्जियम की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के मामले में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। जिससे समुद्री सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए मौजूदा अवसरों के अलावा नई संभावनाओं की तलाश करने में भी आसानी होगी।

समुद्री सुरक्षा के मामले पर की चर्चा

नौसेना ने बताया कि इस यात्रा के दौरान भारत और बेल्जियम के नौसेनाप्रमुख के बीच एक उच्च-स्तरीय बैठक भी हुई। जिसमें दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई है। समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक गतिविधियां, प्रशिक्षण, नौसैन्य कर्मियों के बीच आदान-प्रदान और तकनीक को लेकर साझेदारी को प्रगाढ़ बनाया जाना जैसे मुद्दे वार्ता में प्रमुखता से शामिल किए गए। इस बैठक से इतर बेल्जियम के नौसेनाध्यक्ष ने भारतीय नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत भी की है। द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार देना ही इस संवाद का मकसद था।

मीडिया रिपोर्ट का दावा, नई दिल्ली ने कहा कि वापसी के लिए सुरक्षा की गारंटी के साथ मृत्युदंड के मामले में निष्पक्ष सुनवाई का भरोसा दे बांग्लादेश

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सशर्त वतन वापसी चाहता भारत!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जैसे-जैसे मौजूदा साल का आखिरी दिसंबर का महीना करीब आता जा रहा है। वैसे-वैसे ही बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की घर वापसी या यूं कहें ढाका वापसी का मामला तेजी के साथ अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बटोरने लगा है। ऐसी ही कुछ खबरों में किए गए दावे के मुताबिक, भारत भी हसीना की वतन वापसी के पक्ष में है। लेकिन इसके लिए उसने अपने निकट पड़ोसी देश के सामने दो शर्त भी रखी हैं। जिसमें पहली में पूर्व पीएम की वापसी को लेकर बांग्लादेश भारत को उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वासन दे और दूसरी में हसीना को अपने देश पहुंचने पर मृत्युदंड के मामले में निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में ढाका में बढ़ती बेरोजगारी के मामले को लेकर युवाओं के हिंसक विरोध-प्रदर्शन की वजह से शेख हसीना को आनन-फानन में अपना देश छोड़कर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी थी। तब से वह भारत में ही किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं।



पूर्व पीएम ने की थी वापसी की घोषणा

बीते वक्त में शेख हसीना ने नई दिल्ली में आयोजित किए गए अपने पहले सार्वजनिक मीडिया संवाद में यह घोषणा की थी कि वह दिसंबर-2026 तक बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। उन्होंने कहा था कि तमाम खतरों के बावजूद वह अपने देश की धरती पर मरना पसंद करेंगी। उनके इस बयान के बाद ही घरेलू से लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में हसीना के प्रत्यर्पण और ढाका वापसी को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

भारत ने साफ किया अपना रुख

वहीं, इन सबके बीच इस मामले पर राजधानी में हुई एक हालिया मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने देश का रुख साफ करते हुए कहा था कि पूर्व पीएम शेख हसीना का प्रत्यर्पण एक कानूनी मामला है और इससे हम कानूनी रूप से ही निपटेंगे। जबकि उनके द्वारा जताई गई ढाका वापसी की इच्छा और दिसंबर की बताई गई तारीख को लेकर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से साफ इंकार कर दिया था।

पूर्व में रणधीर ने ये भी कहा था कि उक्त सार्वजनिक प्रेस वार्ता का कार्यक्रम एक निजी मीडिया संस्था द्वारा आयोजित किया गया था। ऐसे में वहां व्यक्त किए गए विचारों से केंद्र सरकार या मंत्रालय का कोई लेना-देना नहीं है।

बांग्लादेश ने दी प्रतिक्रिया

बांग्लादेश ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें प्रधानमंत्री तारिक रहमान के अतिरिक्त प्रेस सचिव केएम नजमुल हक ने अपनी एक ताजा फेसबुक पोस्ट में कहा कि कोई भी देश शेख हसीना की मेजबानी करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने हसीना पर एक प्रकार से तंज कसते हुए कहा कि ब्रिटेन से लेकर अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिनलैंड, बेलारूस जैसे देशों की तो बात ही छोड़िए उन्हें तो अफ्रीका का भी कोई देश अपने यहां शरण देने के पक्ष में नहीं है। हक ने शेख हसीना को नरसंहार से जुड़ा व्यक्ति बताया है। साथ ही कहा कि एक के बाद एक सभी दरवाजे उनके लिए बंद होते जा रहे हैं।

खारिज हुआ नए पासपोर्ट का आवेदन

पूर्व प्रधानमंत्री ने इसी महीने 9 नवंबर को बांग्लादेश के दिल्ली स्थित उच्चायोग के समक्ष इस मामले को लेकर एक नया पासपोर्ट और नागरिकता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन किया था। लेकिन उनकी इस अर्जी को उच्चायोग ने स्वीकार नहीं किया।

भारत की सख्ती का दिखा असर

कराची में फंसे भारतीय नाविकों से मिलेंगे दूतावास के अधिकारी

एजेंसी ▶▶ कराची

पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीने से एक जहाज में फंसे 6 भारतीय नाविकों के लिए राहत की खबर है। पाकिस्तान ने भारत की औपचारिक मांग पर इन नाविकों को भारतीय अधिकारियों से मिलने की इजाजत देने पर सहमति जताई है। भारतीय उच्चायोग के अधिकारी कराची बंदरगाह पर जाकर सभी नाविकों से मिलेंगे। वे उनकी सेहत, रहने की स्थिति और दूसरी जरूरतों को देखेंगे। इसके बाद नाविकों के घर लौटने से जुड़ी जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

इसके लिए जहाज पर नए नाविकों की तैनाती और बंदरगाह से जरूरी मंजूरी मिलना भी अहम होगा। ये सभी नाविक 17 अप्रैल 2026 से जहाज पर ही रहने को मजबूर हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, कराची बंदरगाह के वेस्ट व्हार्फ में बर्थ नंबर 21 पर खड़े जहाज के चालक दल से भारतीय अधिकारियों की मुलाकात की व्यवस्था की जा रही है।



एआई इमेज

17 अप्रैल से जहाज पर रहने को मजबूर

इन 6 भारतीय नाविकों में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले मर्चेंट नेवी के एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। ये सभी ईरान की कंपनी केवर शिपिंग कंपनी के एक कार्गो शिप पर काम कर रहे थे। जहाज चलाने वाली कंपनी और कराची बंदरगाह के अधिकारियों के बीच कारोबारी और कानूनी विवाद हो गया।



जम्मू-कश्मीर और असम में भूकंप

डोडा में 4 घंटे के भीतर भूकंप के 3 झटके, 3.8 की तीव्रता रही

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार को चार घंटे के भीतर तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। तीनों भूकंपों के केंद्र लगभग पूर्व-पश्चिम दिशा में एक सीधी रेखा में रहे हैं। इनके बीच का कुल क्षेत्र करीब 11.5 किमी तक फैला है।

तीनों भूकंप महज 4 घंटे 38 मिनट के भीतर दर्ज किए गए। इनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर क्रमशः 2.7, 3.8 और 2.9 रही। भूकंप के केंद्र जमीन से 5 से 10 किमी की गहराई में दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे तेज 3.8 तीव्रता का भूकंप महज 5 किमी

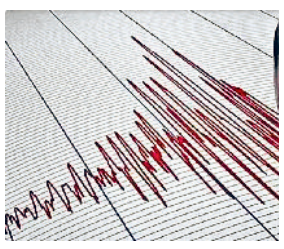

की गहराई पर आया। भूकंप के केंद्रों का सीमित भौगोलिक दायरे में लगभग एक सीध में होना खास बनाता है। वहीं, असम के कुछ हिस्सों में शनिवार को 4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप अपराह्न 2:43 बजे आया और इसका केंद्र कामरूप जिले में 10 किमी की गहराई पर था।

पाकिस्तान की साजिश का खुलासा

पंजाब चुनाव के बहाने खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है।

इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसका अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने



एआई इमेज

दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें।

कानूनी तरीके से पाक में लाने की तैयारी

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों और तथाकथित 'कश्मीर समर्थक' कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान लाया जा सके। इन लोगों को पाकिस्तान लाने के लिए विशेष आवजन (इमिग्रेशन) इंतजाम किए गए हैं।

80 साल बाद 3 आर्थिक शक्तियों की चीन में बातचीत होगी

ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की पहली बार एक साथ करेंगे बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक ही बैठक में शामिल होंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। यह बैठक चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान होगी। बैठक में सबसे अहम मुद्दा परमाणु हथियारों की संख्या कम करना होगा। इसके अलावा ईरान पर भी चर्चा होगी। बीते 80 साल में यह पहली बार होगा जब आर्थिक महाशक्तियों वाले 3 देशों के नेता एक साथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे।

एशिया प्रशांत आर्थिक सम्मेलन में मिलेंगे | परमाणु हथियार कम करने पर होगी बात


डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एआई इमेज

तीनों में परमाणु संधि फरवरी में होगी खत्म

व्हाइट हाउस के मुताबिक, ट्रंप बैठक में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने का मुद्दा उठाएंगे। वे चाहते हैं कि चीन भी इस बातचीत में शामिल हो, ताकि अमेरिका, रूस और चीन के बीच नया समझौता हो सके। दरअसल, अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार सीमित करने वाली आखिरी संधि इस साल फरवरी में खत्म हो गई थी।

ईरान पर चर्चा होगी यूक्रेन युद्ध पर नहीं

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप इस बैठक में ईरान का मुद्दा भी उठा सकते हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध इस बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं होगा। अमेरिका हाल के दिनों में रूस के साथ कई बैठकें कर चुका है, लेकिन चीन इन बातचीत में शामिल नहीं रहा।

मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी ट्रंप के साथ चीन जाएंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। मस्क के अमेरिका और चीन के बीच कारोबार से जुड़े बड़े हित हैं। वे चीन यात्रा के दौरान ट्रंप को सलाह देने में भी मदद कर सकते हैं। हालांकि, मस्क तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की संयुक्त बैठक में शामिल नहीं होंगे।



हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109